सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 163, नई दिल्ली | शनिवार, 26 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके विचारों का समूह होता है, जो वह सोचता है, वैसा वह बन जाता है...

छुड़ा सकते हैं दिल्ली परिवहन विभाग के पास जब्त पुरानी गाड़ी

संजय बाटला, संपादक

दिल्ली परिवहन विभाग ने अगर आपकी कोई गाड़ी समय सीमा खत्म होने पर जब्त कर ली है, तो अब इसे आप छुड़ा सकते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई में कहा है कि अगर कोई गाड़ी मालिक लिखित में यह वचन देता है कि वो गाड़ी को दिल्ली की सीमा से बाहर ले जाएगा, तो उसे उसकी गाड़ी परिवहन विभाग वापिस दे।

नई दिल्ली। अगर आपकी गाड़ी की लाइफ खत्म हो गई है और उसे दिल्ली परिवहन विभाग ने जब्त कर लिया है, तो ये खबर आपके काम की है। ऐसे गाड़ी मालिकों से अंडरटेकिंग लेकर छोड़ने का दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक, गाड़ी मालिकों को अंडरटेकिंग में यह वचन देना होगा कि वे इन गाड़ियों को स्थाई रूप से दिल्ली की सीमा से बाहर ले जाएंगे। यानी अब आप यानी वाहन मालिक लिखित में बॉन्ड देकर परिवहन विभाग द्वारा जब्त की गई गाड़ी छुड़ा सकते हैं, लेकिन इसे आप किसी भी कीमत पर दिल्ली में चला नहीं सकते।

दिल्ली सरकार बनाए एक नीति

जस्टिस प्रतीक जालान उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थे, जिनमें 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल/सीएनजी और 10 से ज्यादा पुरानी डीजल गाड़ियों के इस्तेमाल पर रोक के न्यायिक आदेशों का उल्लंघन करने के तहत वाहनों को परिवहन विभाग/ एमसीडी द्वारा जब्त किया जा रहा है को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि उसे ऐसी गाड़ियों के मुद्दे से निपटने के लिए एक नीति बनानी चाहिए, क्योंकि गाड़ी मालिक यह वचन देने के लिए तैयार हैं कि वे उनका इस्तेमाल यहां नहीं करेंगे। कोर्ट ने कहा कि सरकार को नीति बनाकर उसका सही तरीके से प्रचार करना चाहिए।

स्क्रैप करना नहीं बल्कि प्रदूषण मुक्त होना हो मकसद

कोर्ट ने कहा कि नीति का मकसद कारों को स्क्रैप करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि राजधानी प्रदूषण मुक्त हो। कोर्ट ने कहा कि संपत्ति के इस्तेमाल के अधिकार और पर्यावरणीय हितों के बीच संतुलन बनाया रखा जाना चाहिए।

ऐसी गाड़ियों को खींचकर ले जाया जा सकेगा दिल्ली बॉर्डर तक

हाई कोर्ट ने यह भी साफ किया कि परिवहन विभाग को दी जाने वाली अंडरटेकिंग में कहा जाएगा कि गाड़ियों को उठाकर या खींचकर दिल्ली की सीमा तक ले जाया जाएगा। अगर गाड़ी दिल्ली में रजिस्टर्ड हो, तो याचिकाकर्ता शहर से बाहर उसे ट्रांसफर कराने के लिए एनओसी की मांग भी कर सकता है। जस्टिस जालान ने कहा, गाड़ी मालिक अगर अंडरटेकिंग का उल्लंघन करते हैं तो उन्हें कार्रवाई का सामना भी करना होगा।

याचिकाकर्ताओं ने क्या दिए तर्क

याचिकाकर्ताओं में से एक ने तर्क दिया था कि उनकी गाड़ी, जिसके साथ उनकी गहरी भावनाएं जुड़ी हैं, उसे अधिकारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के जब्त कर लिया था। उस वक्त गाड़ी उनके घर के बाहर पार्क थी। एडवोकेट पीयूष शर्मा और आदित्य एन प्रसाद के जरिए दूसरी याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 2000 में खरीदी गई कार को चला नहीं रहे थे वह तो इसे इलेक्ट्रिक गाड़ी में बदलना चाहती थीं। इसी तरह, एक अन्य याचिकाकर्ता ने अपनी 12 साल पुरानी डीजल कार की जब्ती को चुनौती दी, जिसे केवल डेंटिंग, पेंटिंग और अन्य कामों के लिए पार्क किया गया था, जो दूसरे राज्य में कार को बेचने के लिए जरूरी था। वकील साहिल मोंगिया के जरिए एक अन्य याचिकाकर्ता ने कहा कि कोई भी कानून पुराने डीजल वाहनों को रखने पर रोक नहीं लगाता है और वाहन को कब्जे में लेने से पहले उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

इस बीच, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सोमवार को विभाग के सेक्रेटरी-कम-कमिश्नर को पुरानी गाड़ियों को जब्त करने से रोकने का भी निर्देश ज़ारी कर दिया था।

परिवहन विभाग अब जब्त किया हुए वाहनों को छोड़ने के लिए ओर आगे वाहनों को जब्त करने की नीति तैयार कर रहा है जो जल्द ही दिल्ली की जनता की समाक्ष होगी।

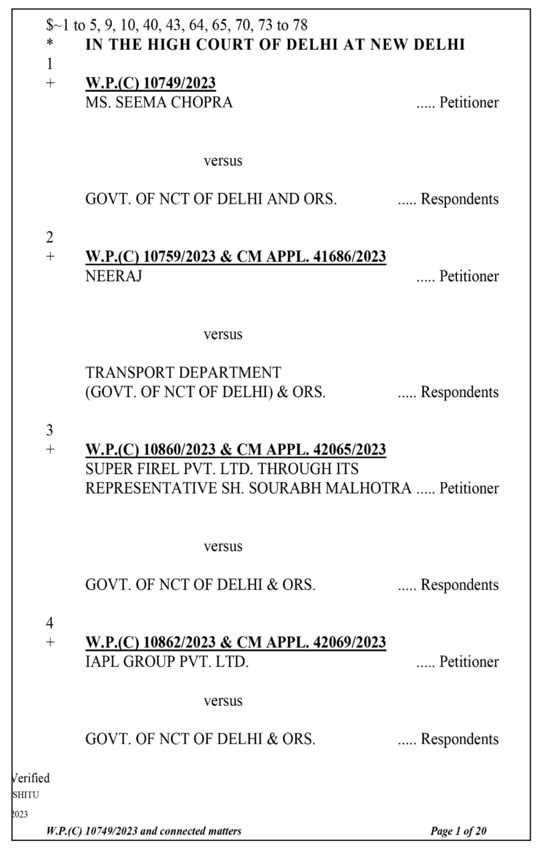

$~1 to 5, 9, 10, 40, 43, 64, 65, 70, 73 to 78
* IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI

1
\+ **W.P.(C) 10749/2023**
MS. SEEMA CHOPRA ..... Petitioner

versus

GOVT. OF NCT OF DELHI AND ORS. ..... Respondents

2
\+ **W.P.(C) 10759/2023 & CM APPL. 41686/2023**
NEERAJ ..... Petitioner

versus

TRANSPORT DEPARTMENT
(GOVT. OF NCT OF DELHI) & ORS. ..... Respondents

3
\+ **W.P.(C) 10860/2023 & CM APPL. 42065/2023**
SUPER FIREL PVT. LTD. THROUGH ITS REPRESENTATIVE SH. SOURABH MALHOTRA ..... Petitioner

versus

GOVT. OF NCT OF DELHI & ORS. ..... Respondents

4
\+ **W.P.(C) 10862/2023 & CM APPL. 42069/2023**
IAPL GROUP PVT. LTD. ..... Petitioner

versus

GOVT. OF NCT OF DELHI & ORS. ..... Respondents

Verified SHITU 2023

W.P.(C) 10749/2023 and connected matters *Page 1 of 20*

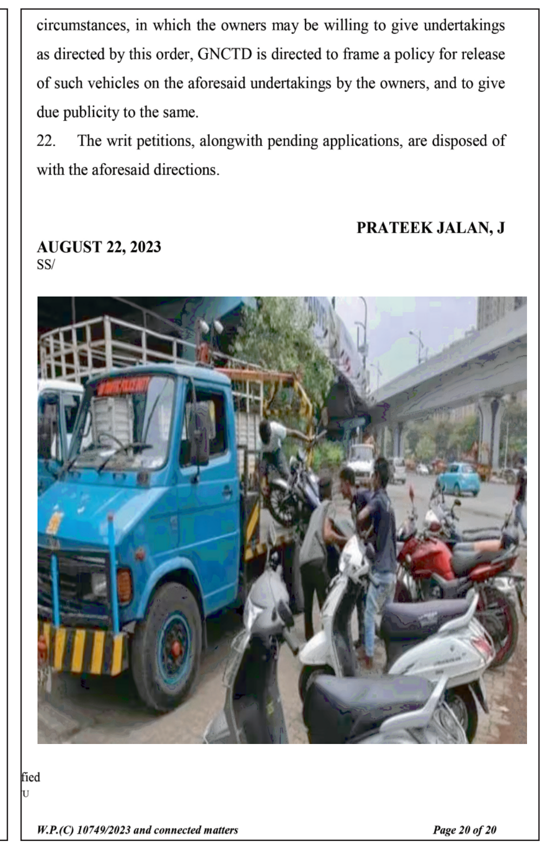

circumstances, in which the owners may be willing to give undertakings as directed by this order, GNCTD is directed to frame a policy for release of such vehicles on the aforesaid undertakings by the owners, and to give due publicity to the same.

22. The writ petitions, alongwith pending applications, are disposed of with the aforesaid directions.

PRATEEK JALAN, J

AUGUST 22, 2023
SS/

W.P.(C) 10749/2023 and connected matters *Page 20 of 20*

रक्षाबंधन पर सरकारी बसों में महिला और बालिकाओं की यात्रा फ्री

महिलाओं और बालिकाओं को रक्षाबंधन के दिन 30 अगस्त को राजस्थान रोडवेज की सभी साधारण और एक्सप्रेस बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। ये सुविधा प्रदेश की सीमा तक ही सीमित रहेगी।

रक्षाबंधन के त्योहार पर महिलाएं और बालिकाएं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निःशुल्क यात्रा के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सीएम अशोक गहलोत के इस निर्णय से महिलाओं और बालिकाओं को रक्षाबंधन के दिन 30 अगस्त (बुधवार) को राजस्थान रोडवेज की सभी साधारण और एक्सप्रेस बसों में राज्य की सीमा में निःशुल्क यात्रा सुविधा मिलेगी। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को इस सुविधा के खर्च का पुनर्भरण (रियम्बर्समेंट) सरकार की ओर से निःशुल्क यात्रा पुनर्भरण मद में उपलब्ध प्रावधान में से किया जाएगा।

सीआरआईएफ के तहत 27 जिलों में होंगे 74 सड़क निर्माण कार्य

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीआरआईएफ योजना के तहत 27 जिलों में 74 सड़क निर्माण कार्यों के लिए 2233.62 करोड़ की वित्तीय सहमति दी है। इस राशि से नागौर जिले में 10, जोधपुर में 9, अजमेर, जयपुर, बीकानेर और बूंदी में 5-5, झालावाड़ और सीकर में 4-4, जालोर और राजसंमद में 3-3, भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर और टोंक में 2-2, बांसवाड़ा, धौलपुर, जैसलमेर, बारां, पाली, सवाईमाधोपुर, दौसा, चूरू, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, सिरोही, भरतपुर और बाड़मेर में 1-1 सड़कों का निर्माण कराया जाएगा।

कालकाजी डिपो से भ्रष्ट डिपो मैनेजर रवि कसाना को दिल्ली पुलिस की एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए किया गिरफ्तार

हरि शंकर मीणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नेहरु प्लेस, कालका जी व श्रीनिवासपुरी डीटीसी के तीनों डिपो के भ्रष्ट मैनेजर रवि कसाना को शुक्रवार को कालकाजी डिपो से दिल्ली पुलिस की एंटी करप्शन ब्यूरो ने तीस हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

डिपो के लोगों के मुताबिक पिछले काफी समय से रवि कसाना अपने साथियों के साथ रिश्वत का काम करता आ रहा था। डिपो में कार्यरत बस मार्शलों से उनकी ड्यूटी को लेकर आए दिन पैसों की डिमांड करना आदि कई तरह से वह तीनों डिपो नेहरु प्लेस, कालका जी व श्रीनिवासपुरी में रिश्वत खोरी का काम करता आ रहा था। सभी बस मार्शल इस रिश्वत खोरी से तंग आ चुके थे।

आरोपी रवि कसाना के अलावा कालकाजी डिपो का चालक ललित यादव टोकन नंबर - 63820, अंबेडकर नगर डिपो का चालक सीताराम व कालकाजी डिपो का कंडक्टर अनिल टोकन नंबर - 96170 को भी एंटी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है।

तीन दिन दिल्ली बनेगी छावनी: कहां से कैसे निकलें यात्री, पूरी जानकारी देगा ये एप; मिलेगा पल-पल का अपडेट

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली तीन दिन बंद रहेगी। लेकिन इस दौरान तकनीक से ट्रैफिक को चलाया जाएगा। मैप माई इंडिया से दिल्ली पुलिस ने करार किया है। साथ ही जोन के हिसाब से ट्रैफिक चलेगा। जी-20 एरिया को जोन में बांटा गया।

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन के दौरान मोबाइल में मैप माई इंडिया एप लोड करके ही बाहर निकलें। इस एप से पता लग जाएगा कि मार्ग में कहां रुकावट है, कौनसा रास्ता खुला हुआ है, कहां जाम लग रहा है और वीआईपी के लिए कहां रूट लगा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने माई इंडिया एप से समझौता किया है।

ट्रैफिक का मिलेगा लाइव अपडेट

जी-20 सम्मेलन के दौरान मैप माई इंडिया में मार्ग के हालात के अलावा मार्गों को लेकर ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी भी होगी। गूगल से भी लोग मार्ग देखकर यात्रा कर सकते हैं। इसके लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिये लाइव अपडेट भी देगी।

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक एसएस यादव ने जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली में ट्रैफिक नियमों के इंतजामों की शुक्रवार को आधिकारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कहां ट्रैफिक चलेगा और कहां बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि लोग नेविगेशन की मदद से यात्रा कर सकते हैं।

दिल्ली में ऐसे चलेगी ट्रैफिक व्यवस्था

इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस जी-20 सम्मेलन के दौरान सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म के जरिये लाइव अपडेट और अलर्ट देती रहेगी। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक सुरक्षा और आम जनता की सुविधा के हित में, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), विशेषकर नई दिल्ली जिले और इसके आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही पर विस्तृत नियम लागू होंगे।

इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी चालू

सभी आवश्यक सेवाओं को बाधा रहित आवाजाही और उनके गंतव्य तक पहुंचने का रास्ता प्रदान किया जायेगा। चिकित्सा आपातकालीन वाहनों के लिए पूरी दिल्ली में परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। वैकल्पिक मार्गों और परिवहन साधनों के माध्यम से आम जनता की आवाजाही को भी सुगम बनाया जाएगा।

पुलिस की एडवाइजरी से जुड़ी प्रमुख बातें

- दिल्ली से गुजरने वाले वाहनों को प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा। ऐसे वाहनों को ईस्टर्न एवं वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और अन्य वैकल्पिक मार्गों पर अनिवार्य रूप से मोड़ा जाएगा।
- सभी तरह के माल वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जियां, फल, चिकित्सा आपूर्ति आदि ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को वैध 'नो एंट्री परमिशन' के साथ दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी।
- अंतरराज्यीय बसों को भी दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मगर दिल्ली में रिंग रोड से आगे नहीं जा सकेंगी।
- दिल्ली में पहले से मौजूद बसें, रिंग रोड और उससे आगे दिल्ली की सीमाओं की ओर के चल सकेंगी। इन बसों को दिल्ली से बाहर निकलने की अनुमति होगी।
- दिल्ली में पहले से मौजूद सभी प्रकार के वाणिज्यिक वाहनों और बसों सहित सामान्य यातायात को रिंग रोड और रिंग रोड से आगे दिल्ली की सीमाओं की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।
- ऑटो और टैक्सियों को नई दिल्ली जिले के बाहर सड़क नेटवर्क पर चलने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली जिले के स्थानीय निवासियों और नई दिल्ली जिले की सीमा के अंदर स्थित होटलों में, वैध बुकिंग वाले पर्यटकों को ले जाने वाली टैक्सियों को नई दिल्ली जिले की सीमा के चलने की अनुमति दी जाएगी।
- हवाई अड्डे, नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशनों तक यात्रियों की आवाजाही की अनुमति रहेगी। हालाँकि, ऐसे यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे सुझाए गए वैकल्पिक मार्गों को ही चुनें और अपनी यात्रा के लिए पर्याप्त समय से चलें।
- नई दिल्ली जिले में प्रवेश करने वाले यातायात की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा।
- स्थानीय निवासियों और अधिकृत वाहनों को नई दिल्ली जिले के भीतर आने–जाने के लिए सुविधा प्रदत्त की जाएगी। नई दिल्ली जिले में होटलों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के लिए हाउसकीपिंग, खानपान, अपशिष्ट प्रबंधन आदि से जुड़े वाहनों को सत्यापन के बाद प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों और उपरोक्त आवश्यक सेवा प्रदाताओं को अपनी पहचान साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज साथ में रखने होंगे।
- मालवाहक वाहनों और बसों को छोड़कर सामान्य यातायात को रजोकरी सीमा से दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा, इस यातायात को अनिवार्य रूप से एनएच–48 से राव तुला राम मार्ग–ओलोफ पाल्मे मार्ग पर परावर्तित किया जाएगा। एनएच– 48 पर धौला कुआं की ओर किसी भी वाहन की आवाजाही की अनुमति नहीं होगी।
- 7 और 8 सितंबर की मध्यरात्रि को 12 बजे से 10 को 12 बजे तक सभी प्रकार के माल वाहन, वाणिज्यिक वाहन, अंतरराज्यीय बसें और स्थानीय सिटी बसें जैसे डीटीसी बसें और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम बसों को मथुरा रोड (आश्रम चौक से आगे) भैरों रोड, पुराना किला रोड और प्रगति मैदान सुरंग के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यातायात के लिए तीन जोन बनाए गए

कंट्रोल एरिया-1

नई दिल्ली जिले के संपूर्ण क्षेत्र को दिनांक 8 सितंबर के 5 बजे से 10 सितंबर 12 बजे तक कंट्रोल एरिया-1 बनाया गया है। हालांकि, स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों और आपातकालीन वाहनों को नई दिल्ली जिले की सड़कों पर यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी।

विनियमित क्षेत्र-

रिंग रोड (महात्मा गांधी मार्ग) के अंदर के पूरे क्षेत्र को दिनांक 8 सितंबर 5 बजे से 10 सितंबर 12 बजे तक बजे तक विनियमित क्षेत्र बनाया गया है। केवल स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों, आपातकालीन वाहनों और हवाई अड्डे, पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों की ओर जाने वाले यात्रियों के वाहनों को रिंग रोड से आगे नई दिल्ली जिले की तरफ सड़कों पर जाने की अनुमति होगी।

कंट्रोल एरिया-2

निम्नलिखित सड़कों और जंक्शनों को 9 सितंबर व 10 सितंबर की रात 12 बजे से 10 सितंबर को 14 बजे तक कंट्रोल एरिया-2 बनाया गया है। 'डब्लू'– प्वाइंट, 'ए'– प्वाइंट, डी.डी.यू. मार्ग, विकास मार्ग (नोएडा लिंक रोड– पुस्ता रोड तक), बहादुर शाह जफर मार्ग, दिल्ली गेट, जवाहरलाल नेहरू मार्ग (राजघाट से गुरु नानक चौक तक), चमन लाल मार्ग (गुरु नानक से) चौक से तुर्कमान गेट), आसफ अली रोड (तुर्कमान गेट से बी.एस.जेड. मार्ग तक), महाराजा रणजीत सिंह मार्ग (बाराखंभा– टॉल्स्टॉय क्रॉसिंग से चमन लाल मार्ग पर गुरु नानक चौक तक), महात्मा गांधी मार्ग (दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे टी– प्वाइंट से) कश्मीरी गेट तक), आई.पी. फ्लाईओवर, शांति वन चौक, हनुमान सेतु, आई.एस.बी.टी. कश्मीरी गेट और सलीमगढ़ बाईपास। 10 सितंबर को 5 बजे से लेकर 13 बजे तक इन मागोर् पर ट्रैफिक लगभग बंद रहेगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अजमेरी गेट की ओर से,पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, श्यामा प्रसाद मुखर्जी (SPM) रोड की ओर से, शांति वन चौक, गीता कॉलोनी की ओर से,आईटीओ, विकास मार्ग की ओर से,राजघाट चौक, जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) मार्ग की ओर से और गुरु नानक चौक, मिंटो रोड की ओर से।

एंबुलेंस सहायता नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाइन नंबर जारी

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एम्बुलेंस सहायता नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाइन नंबर 6828400604/112 जारी कर दिया। एम्बुलेंस सहायता नियंत्रण कक्ष की सुविधा सात व आठ सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे से 11 सितंबर की रात 12 बजे तक रहेगी। यातायात पुलिसकर्मी, कैट्स , स्वास्थ्य सेवा निदेशालय , प्रमुख सरकारी और निजी अस्पताल के नियंत्रण कक्ष में मौजूद रहेंगे। ।इसके अलावा, शहर भर में बनाए गए 24 प्रमुख जंक्शनों पर चिकित्सा आपातकालीन वाहन सहायता दल तैनात किए जाएंगे। चिकित्सा सेवाओं के लिए अलग यातायात निर्देशिका को https://traffic.delhipolice.gov.in/DTPG20 info पर विस्तृत रूप से देखा जा सकता है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सुपर फूड

महीने भर में आंखों की रोशनी हो जाएगी तेज, बस खाने में शामिल कर लें ये सुपर फूड

आंखें हमारे शरीर का सबसे ज्यादा नाजुक हिस्सा है। अगर इनकी ढंग से देखभाल न करी जाए तो इनकी रोशनी कम हो जाती है और आपको चश्मा लग सकता है। आज के समय में मोबाइल, टीवी और लैपटॉप पर लोग काफी ज्यादा अपना समय बीता रहे हैं, जिससे खासकर के आंखे कमजोर हो जाती है। आंखों में जलन, पानी आना, सिरदर्द, कम दिखना, कुछ देखने के लिए आंखों पर जोर डालना जैसे लक्षण आंखों की कमजोर होने की ओर इशारा करते हैं। अगर इनमें से कोई भी लक्षण आपको महसूस हो तो आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। वहीं आप कुछ सुपरफूड्स खाकर नेचुरल तरीके से भी बढ़ा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इन सुपरफूड्स के बारे में...

बादाम और शकरकंद

सुबह उठकर खाली पेट भीगे हुए बादाम का सेवन करें से आंखों की रोशनी तेज होती है। वहीं शाम के समय शकरकंद खानी चाहिए। इन दोनों चीजों का सेवन आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

संतरे और गाजर का जूस

संतरे और गाजर का जूस भी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। खाने के बाद या फिर किसी भी समय 1 संतरे और गाजर का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

मेथी

सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने से आंखों का चश्मा हट जाता है। इसके लिए बस रात को मेथी को पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसका सेवन करें।

पालक

ये तो हर कोई जानता है कि पालक में कितने सारे पौष्टिक तत्व होते हैं। इसमें आयरन, जिंक, विटामिन ए और आ पाया जाता है जो की आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मददगार है। आप पालक की सब्जी, सूप या फिर इसके जूस का सेवन भी कर सकते हैं।

उर्स मखदूमी आलमे इस्लाम की फलाह एवं देश मैं अमन व शांति की दुआ के साथ समापन

जब किसी आंदोलन का विरोध होता है तो वह सफल हो जाता है: मौलाना सैयद मुहम्मद अशरफ कछोछवी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ग़ौस आलम, मेहबूब यजदानी सैयद शाह मुहम्मद मखदूम अशरफ समनानी नूर बख़्शी समानी (जन्म ७०८ हिजरी / मृत्यु८०८० हिजरी) का ६ ७ वां वार्षिक तीन दिवसीय उर्स परवायती शाम व शौकत के साथ आयोजित किया गया, जिसमें देश भर से लाखों ज़ाएरीन और अक़ीदतमंद शामिल हुए। देश के कोने-कोने से और विदेशों से भी लोगों ने इसमें भाग लिया।

उर्स की शुरुआत परचम कुशाई रस्म के साथ हुई, जिसमें पवित्र कुरान की तलाकत, नात और नकबत के अलावा अशरफी तराना भी पढ़ा गया।

२८ /मुहर्रम अल-हराम १४४५ हिजरी सुबह दस बजे, फिर महफ़िल-ए-समा शुरू हुई और ज़ुहर की नमाज़ तक जारी रही, और महफ़िल क़ुल शरीफ़ के साथ समाप्त हुई। ज़ुहर की नमाज़ क बाद ज़ाएरीन में लंगर ए अशरफ़ी पेश किया गया। फिर मिलाद-उल-नबी आयोजित किया गया, कारी मुहम्मद साकिब अशरफी दारुल उलूम मुख़्तार उलूम टांडा ने कुरान की तिलावत से शुरुआत की, उसके बाद नात और नकबत का सिलसिला शुरू हुआ। हज़रात सैयद नासिर अशरफ़ ,उस्मान गनी अशरफी बंगाली , सज्जाद

वारसी कोलकाता, अब्दुल हनान, वासिफ शाह हुदा ,हजरत शकील अख्तर अशरफी मुंबई, मदाह ए रसूल जनाब कासिम अशरफ अशरफी संभाली ने पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वो सल्लम की बारगाह में नात और नकबत कंजराना पेश किया।

मौलाना मुफ्ती मंजर हसन खान अशरफी ,मौलाना मुहम्मद असलम मीनाई पश्चिम बंगाल, मौलाना मुफ्ती मुहम्मद कमालुद्दीन अशरफी मिस्बाही ने तकरीर की। हजरत अल्लामा मुफ्ती मुबारक हुसैन मिस्बाही मुख्य संपादक माहनामा अशरफ़ीआ पत्रिका ने सरकार मखदूम पाक के जीवन और सेवाओं पर ख़तिाब करते हुए कहा कि मैं कल भी सरकारे कलां का ग़ुलाम था आज भी हूँ और इंशाअल्लाह आखरी साँस तक रहूँगा।, उन्होंने कहा कि सिलसिलए अशरफ़ीआ हमेशा से जामिआ अशरफ़ीआ पर बहता रहा है।

इस अवसर पर मुहम्मद कमालुद्दीन अशरफी मिस्बाही ने पुस्तक ₹मखदूम सैयद अशरफ जहांगीर समनानी जहां उलूम वा मआरिफ₹ एवं अल्लामा मुफ्ती अब्दुल खबीर अशरफी की पुस्तक ₹हयात हजरत सैयद अशरफ हुसैन₹ का प्रकाशन हजरत सैयद शाह मुहम्मद अशरफ अशरफी जिलानी और अन्य विद्वानों द्वारा किया गया। अंत में, हजरत सैयद शाह मुहम्मद अशरफ अशरफी जिलानी ने अपने ख़तिाब से नवाज़ा।

हर साल की तरह इस साल भी अमीर-उल-कलम हजरत मौलाना सूफी मकबूल अहमद सालिक मिस्बाही अशरफी देहलवी खलीफा हुज़ूर अशरफ ऐ मिल्लत ने अपने अनोखे अंदाज में कार्यक्रम का संचालन किया। अंत में सलातव सलाम पढ़ा गया और शरफ ए मिल्लत हजरत सैयद शाह मुहम्मद अशरफ अशरफी जिलानी, राष्ट्रीय अध्यक्षआल इंडिया उलमा व मशाइख बोर्ड व वर्ल्ड सूफी फोरम के संस्थापक ने दुआ फ़रमाई।

चांद के बाद अब 2 सितंबर सूर्यायान आदित्य-एल- 1

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। हौंसले बुलंद हो तो सफलता हर बढते कदम को चूमने लगती है। इसी सिलसिले को आगे बढाते हुए चांद के बाद 2 सितंबर को इसरो वैज्ञानिक सूरज की ओर आदित्य-एल-1मिशन को लॉन्च करने जा रहा है। सूरज के तेज प्रकाश पर लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से होगी। इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के डायरेक्टर नीलेश एम. देसाई के मुताबिक सूरज पर चडाई के लिए आदित्य-एल 1स्पेसक्राफ्ट तैयार है। यह एयरक्राफ्ट 15 लाख किलोमीटर का सफर 127 दिन में पूरा करेगा। इसको हेलौ ऑर्बिट मे तैनात किया जाएगा। जहां पर एल-1 प्वाइंट होता है। यह एल-1प्वाइंट सूरज और धरती के बीच में स्थित जंक्शन पर होता है। लेकिन सूरज और पृथ्वी की दूरी की तुलना में मात्र 1 % है। इस मिशन को पी रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। इसे फिलहाल सतीश धवन स्पेस सेंटर में रखा गया है। यहां अब इसे राकेट में लगाया जाएगा। आदित्य-एल 1भारत का पहला सोलर मिशन है। इस मिशन की खासियत पेलोड विजिबल लाइन एमिसन कोरोनाग्राफ है। इस पेलोड को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने बनाया है। सूर्ययान में 7 पेलोडस इसरो और अन्य संस्थान ने बनाया है। सूर्ययान सूरज के करीब नहीं जाएगा। प्वाइंट पार्कग से सूरज का अध्ययन करेगा। राघवेन्द्र प्रसाद ने बताया कि इस पेलौड में लगा कैमरा हाई रिजोल्यूशन तस्वीरें लेगा।साथ ही स्पेक्ट्रोस्कोपी और पोलैरीमेटरो भी करेगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 22 सूर्य मिशन जा चुके हैं। इनमें अमेरिका, जर्मनी, यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने कुल 22 मिशन भेजे हैं। एक ही मिशन फेल हुआ है। सबसे ज्यादा मिशन नासा ने भेजे हैं। पहला सूर्य मिशन पायनियर -5, साल 1960 में भेजा था। वहीं जर्मनी ने पहला सूर्य मिशन 1974 में नासा के साथ मिलकर भेजा था। इसका मकसद सूरज के चारों तरफ चक्कर लगाते हुए सौर हवाओ का सैंपल लेना। वैसे नासा के वैज्ञानिकों ने अधिकतर सैंपल कलेक्ट कर लिया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियनः चुनाव- 22 सितंबर

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (डूसू) के चुनाव की घोषणा कर दी है। चुनाव अगले महीने 22सितंबर को होगें। बता दें कि डूसू के चुनाव पिछले 3 साल से नहीं करवाए गए थे। डीयू के चुनाव का ऐलान होते ही कोड आफ कंडक्ट भी जारी कर दिया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (डूसू) की मेन 4 पोस्टों जिनमें, प्रेजिडेंट, वाइस-प्रेजिडेंट, सैक्टरी, जॉइंट सैक्टरी ,के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर है। वोटिंग 22 सितंबर को होगी। वोटों की गिनती और परिणाम की घोषणा बाद में कई जाएगी। तीन साल से चुनाव ना होने के बाद चुनाव की घोषणा से डीयू कैंपस में रोनक लौट आई है। जगह- जगह दीवारों, बस स्टेंड को स्टूडेंट्स ने पोस्टरों-बैनरों से पाटना शुरू कर दिया है। इलेक्शन शेड्यूल के मुताबिक डूसू और सेंट्रल काउंसिल के सदस्यों के चुनाव 22 सितंबर को ही होंगे। 12 सितंबर को नॉमिनेशन होगा। और उसी दिन स्क्रूटनी दोपहर 3:15 बजे तक शुरू हो जाएगी। शाम 6:00 बजे नॉमिनेटिड कैंडिडेट की लिस्ट लिस्ट जारी कर दी जाएगी। 13 की दोपहर 12 बजे तक नॉमिनेशन वापिस लिए जा सकेंगे। 13 सितंबर को ही शाम 5:00 बजे फाइनल लिस्ट जारी हो जाएगी। 12 सितंबर को मार्निंग कालेजों में सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और इविनिंग कालेजों में 3:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक स्टूडेंट्स वोट डालेंगें। इलैक्शन की घोषणा के बाद से कैंपस में राजनीतिक माहौल की तपिश साफ दिखाई देनी शुरू हो गई है।

एमसीडी के कच्चे वर्कर्स को पक्की नौकरी देने की बात झूठः बीजेपी

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। दिल्ली नगर निगम के अस्थाई 316 कर्मचारियों को स्थाई नौकरी देने की सीएम अरविंद केजरीवाल की घोषणा को बीजेपी परवक्ता व मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने सिरे से झूठा बताया है। उनका कहना है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार दिल्ली नगर निगम कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है। कपूर ने 21 अगस्त के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक बडे कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम ने जो यहां से घोषणा की थी, उसकी सच्चाई दरअसल ये है कि उक्त 316 में से 177 को अनुकंपा के आधार पर मृत्यु उपरांत अस्थायी नौकरी का लेटर दिया है। इसके अलावा बचे 139 में से 111 कर्मचारियों को ही स्थाई नौकरी दी गई है। उन्होंने बताया कि दरअसल ये यह काम तो इसी साल बीजेपी जब एमसीडी की सत्ता में थी, तब किया था। प्रवक्ता कपूर ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी सरकार तो सिर्फ इसका श्रय ले रही है।

सावन जांगिड़ बने सुवाणा मंडल के युवा मोर्चा नव सदस्यता अभियान के संयोजक

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाडा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी नव सदस्यता अभियान के अंतर्गत सुवाना मंडल से सावन जांगिड़ को सयोजक व महेंद्र शर्मा को ससयोजक नियुक्त किया गया है।

केबिनेट मंत्री रामलाल जी जाट विधानसभा क्षैत्र से एन.एस.यू.आई. के पूर्व जिलाध्यक्ष रितेश गुर्जर ने सौंपा आवेदन

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाडा। यूथ कांग्रेस जिला महासचिव बनवारी गाडरी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा भीलवाडा जिले के लिए लगाये गये प्रभारी लालचन्द कटारिया, ममता भूपेश, रामबिलास चौधरी के भीलवाडा पधारने पर एन.एस.यू.आई. के पूर्व जिलाध्यक्ष रितेश गुर्जर ने माण्डल विधानसभा से आगामी चुनाव में अपनी दावेदारी के लिए आवेदन पत्र दिया। जानकारी देते रितेश गुर्जर ने बताया कि गुर्जर जाति के मतदाता की संख्या आसीन्द विधानसभा क्षेत्र के बाद दूसरे विधानसभा क्षेत्र मांडल में गुर्जर समाज के मतदाता है, इसके बावजूद भी इस क्षेत्र से गुर्जर प्रत्याशी को नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां से गुर्जर प्रत्याशी को उम्मीद्वार बनाने पर निश्चित ही पार्टी की जीत सुनिश्चित होगी।

शहर के न्यास पार्कों के प्रस्ताव आवेदनों को निरस्त करने की मांगको लेकर कलेक्टर/सचिव को ज्ञापन

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। सामाजिक संगठन जन जागृति संस्थान भीलवाड़ा ने शहर के नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित पार्कों के रख-रखाव को लेकर प्रस्ताव एवं टेण्डर आवेदन को निरस्त कराने की जिला कलेक्टर एवं सचिव नगर विकास न्यास से मांग की है।

संस्थान के प्रदेश संयोजक दयाराम दिव्य के नेतृत्व में नगर विकास न्यास के सचिव को यूआईटी द्वारा निर्मित पार्कों के रख-रखाव, संरक्षण आदि को लेकर न्यास द्वारा ई.ओ.आई. 11.08.2023 को प्रस्ताव आमंत्रित किये थे, जिसमें सामाजिक संस्थाओं एवं संवेदकों से ओपन प्रस्ताव मांगे गये थे। निर्धारित अवधि में खोला जाना था, लेकिन इसमें जान-बूझकर अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं को लाभ पहुंचाने एवं पार्कों की माली हालत की गुणवत्ता में सुधारने के बजाय यथास्थिति रखने की गरज से प्रस्ताव में नियमों का उल्लंघन किया गया। संस्थान में पार्कों के रख-रखाव एवं गुणवत्ता सहित हो रही गड़-बड़ियों को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।न्यास सचिव को मिले प्रतिनिधि मण्डल ने दिये ज्ञापन में आरोप लगाया कि नियमों एवं शर्तों की पालना के बजाय न्यूनतम मानदेय, रख-रखाव, पौधो का संरक्षण, चौकीदारी आदि में मानदेय से भी कम राशि के आवेदनों को प्राथमिकता दी गई। संस्थान ने आरोप लगाया कि कार्य का मानदेय विश्लेषण प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रस्ताव की राशि में काट-छांट की गई। फोटो प्रति पर आवेदन किया गया। प्रस्ताव के साथ नियमानुसार दस्तोवज, पंजीयन प्रमाण पत्र, पेनकार्ड की प्रतियां पेश नहीं करने के बावजूद भी प्रस्ताव आवेदन स्वीकार किये गये।

ज्ञापन में मांग की गई कि सरकार व निकाय की ओर से न्यूनतम मानदेय से भी कम राशि के आवेदनों को निरस्त किया जायें एवं भविष्य में न्यास के पार्कों सर्किलों आदि में नियमानुसार कार्य एवं साफ-सफाई के साथ ही उजड़े पार्कों एवं सर्किलों विकसित किया जाये। संस्थान ने जिला कलेक्टर को भी न्यास के पार्कों में प्रस्ताव एवं टेण्डरों में हो रही नियमितताओं को लेकर सख्त कार्यवाही की मांग करते हुये आग्रह किया कि नगर विकास न्यास व नगर परिषद् भीलवाड़ा में इस तरह के माफिया सक्रिय हो काम एवं रख-रखाव के बजाय सिर्फ वर्क ऑर्डर लेकर उन्हें राम भरोसे छोड़ देते हुये है, जिससे आये दिन पार्कों एवं सर्किलों की हालत दयनीय हो रही है। ज्ञापन देने वालों में सुरेन्द्र सिंह, भैरूसिंह टांक एवं राधेश्याम सालवीं उपस्थित थे।

टेबलेट, मोबाइल की भीड़ में कहीं गुम हो गए तुम, आपको तो याद है न नीले ढक्कन वाला रेनॉल्ड्स 045 पेन

अमेरिकी रेनॉल्ड्स इंटरनेशनल कंपनी ने 1945 में एक साधारण पेन का अविष्कार किया था, जिसने लोगों को स्याही वाले पेन से आजादी दी। इस पेन की कीमत 12 डॉलर थी, जो उस दौर के हिसाब से महंगा था। यह पेन भारत में 1980 से लेकर 2010 तक बहुत प्रसिद्ध था और आज भी रेनॉल्ड्स पेन इंडिया इसे बेचती है। इस पेन को अमेरिका और यूरोप में भी बहुत पसंद किया जाता था।

नई दिल्ली: ट्यूशन हो, स्कूल हो या फिर किसी को बर्थडे पर गिफ्ट देना हो...सफेद रंग पर नीले ढक्कन वाला पेन याद है न आपको। क्लास हो या फिर किसी को गिफ्ट देना हो तो सफेद रंग पर नीली कैप वाला महज 5 रुपए का ये पेन बेहद खास होता था। अमेरिकी रेनॉल्ड्स इंटरनेशनल कंपनी का बनाया यह पेन भारत के एजुकेशन सिस्टम में ऐसा रचा-बसा की यहीं का होकर रह गया। भले ही आज टैबलेट, मोबाइल और लैपटॉप ने इसकी जरूरत को कम कर दिया हो, लेकिन 80, 90 के दशक के लोगों के लिए के लिए यह हर दिल अजीज था। वर्ड, डॉक्स और पीडीएफ की दुनिया में हम भले इससे दूर हो गए हो, लेकिन जब सोशल मीडिया पर अफवाह फैली कि रेनॉल्ड्स पेन हमेशा के लिए बंद होने जा रहा है, तो लोगों के दिल टूटने लगे, हालांकि कंपनी ने खबरों को खंडन करते हुए इसे गलत बताया। आज कहानी उसी नीले ढक्कन वाले पेन की...

अपने देश का नहीं, फिर भी बन गया अपना

अमेरिका के एक डिपार्टमेंट स्टोर में काम करने वाले मिल्टन रेनॉल्ड्स ने बिना किसी तकनीकी ज्ञान और बड़े निवेश के एक ऐसे पेन का अविष्कार किया, जिसने लोगों को स्याही, दवात से आजादी दी। उस दौर में केवल बायरो पेन का इस्तेमाल होता था। मिल्टन जानते कि इस पेन का दौर अब खत्म हो रहा है। साल 1945 में मिल्टन ने एक ऐसा पेन तैयार किया, जिसमें बार-बार लिंक भरने का झंझट नहीं था। जब इस पेन को उन्होंने लॉन्च किया तो ये भी दावा किया गया कि इससे पानी के भीतर भी लोग लिख सकेंगे। इसी दौर में दूसरा विश्व युद्ध खत्म हुआ । अमेरिका जीतने वाले देशों में शामिल था। मिल्टन ने अपने बॉल पेन की कीमत 12 डॉलर रखी, जो उस उस दौर के हिसाब से काफी महंगा था।

12 डॉलर का एक पेन

मिल्टन के इस पैन की कीमत को लेकर लोगों को थोड़ी हैरानी भी हुई। उस दौर में 12 डॉलर की एक कलम लोगों में चर्चा का विषय बन गया। युद्ध खत्म हुआ था, लोग युद्ध से लौटे अपनों के लिए एक खास और कीमती तोहफा लेना चाहते थे। ऐसे में इस पेन ने पूरे मार्केट में हंगामा मचा दिया। रातों-रात इस पेन ने अमेरिका के बाजार में हंगामा मचा दिया। साल 1948 का दौर आया और यह पेन अमेरिका से निकलकर यूरोप के बाजार में पहुंचा। बॉल पेन , जिससे लिखना आसान था, तेजी के लिखाई हो जाती थी। लोगों को खूब पसंद आ रहा था।

गुजरात विधायक डॉ. प्रद्युम्मन भाई वाजा ने आगामी चुनाव मेंभाजपा कार्यकर्ताओ को दिया विजय का मूलमंत्र

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा केन्द्रीय विधायक प्रवास योजना के अन्तर्गत भाजपा भीलवाडा विधानसभा के शास्त्री मंडल की बैठक शक्ति केन्द्र संयोजक, यशोवर्द्धन सेन के निवास स्थान पर बैठक रखी गई जिसमें कोडीनाल विधानसभा से पधारे डॉ. प्रधुम्मन गनी भाई वाजा ने आगामी चुनाव में भाजपा को विजयी बनाने के लिए कार्यकर्ताओ को विजय का मूलमंत्र दिया और भाजपा कार्यकर्ता एवं शक्ति केन्द्र संयोजक यशोवर्द्धन सेन के निवास पर कमलपट्टिका का अनावरण किया एवं हर घर भाजपा का नारा दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाडा, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, जिला संयोजक छैल बिहारी जोशी, सहसंयोजक गोपाल तेली, विधानसभा संयोजक अनिल जैन, शास्त्री मंडल अध्यक्ष पियुष डाड, मुकेश चेचानी, भाजपा जिला महामंत्री बाबूलाल टाक, कैलाश जीनगर, महामंत्री सुरेश छाजेड, राहुल सोनी, विस्तारक प्रिंस शर्मा, पार्षद ईन्दु बंसल, पूर्व पार्षद शंकर जाट, मुकेश शर्मा, किरण सालवी, मनोज सोनी, ज्योतिप्रकाश सोनी, सुभाष सोनी, नरेश अग्रवाल, रमेश खोईवाल, अर्जुन कसारा, विशाल सोनी, कैलाश सांखला, नंदकिशोर सोनी, गोपाल सोनी, राहुल सांखला, केसरीमल सांखला, धीरज शर्मा, हिमांशु, पारीक, भगत सेन, लक्ष्मीनारायण डीडवानिया, गोपाल लाल सेन, विश्वास सेन, गगन सेन, दुर्गादेवी शर्मा, भंवरलाल शर्मा, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार की आम आदमी की सुरक्षा मे नाकामी के सम्बन्ध राज्यपाल के नाम आप ने SDM को सौंपा ज्ञापन

अनूप कुमार शर्मा

राजसमंद कांकरोली मै दिन दहाड़े पिस्तौल की नोक पर जवेलरी शॉप पर बॉम्बे व बिहार की तर्ज पर लुटेरों दुवारा व्यापारियों को घायल कर उन्हें धमका कर जवेलरी व नकदी लूट कर भाग जाने के विरोध में अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार की आम आदमी की सुरक्षा मे नाकामी के सम्बन्ध में राज्यपाल के नाम आम आदमी पार्टी ने SDM को सौंपा ज्ञापन।

ज्ञापन में बताया गया है कि जिसमे कांकरोली की पूरी घटना सी सी केमरो मै वारदात करते व भागते हुवे नजर आरहे है 1 घटना की सुचना पर आस पास के व्यापारी तत्काल मोके पर पहुंच गए तब कही जाकर पुलिस मोके पर पहुंची व घटना की जानकारी लेकर नाका बंदी कराई किन्तु ढीली नाका बंदी से अपराधी पुलिस की आँखो मै धूल जोक कर ला पत्ता हो गए 1 दुःखद यह की वारदात मै काम ली गईं बाइक के नंबर भी साफ नजर आरही है फिर भी पुलिस को चकमा देकर सम्भव तया जिले से बाहर चले गए है यह पुलिस के लिए चुनौती है 1 जिला पुलिस अधीक्षक से आम आदमी पार्टी राजसमंद माग करते है की अपराधी को तत्काल गिरफ्तार किया जाकर माल बरामद किया जाय 1 अन्यथा हम विवश होकर जिला व्यापार मंडल के अहावन पर सम्पूर्ण उपखण्ड व जिला के व्यापारी बंद का अहावन कर सकते है 1 जिला पुलिस अधीक्षक के ज्वाइन करने के समय सी ल जी की बेटको मै यही निवेदन किया था की पूर्व मै जिले मै हुई चोरियो को पत्ता लगाया जाय किन्तु उसमे ज्यादा सफलता नहीं मिली जिसके कारण नकब्जनो के हौसले ओर बढ़ रहे है 1 आम आदमी को सड़क पर न आना पड़े अविलम्ब गिरफ्तारी की जाय 1

इस दौरान प्रदेश संयुक्त सचिव दिनेश चंद्र सनाढ्य व प्रदेश संयुक्त सचिव अमित वर्मा, मीडिया प्रभारी पप्पू लाल कीर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कालूराम कुमावत, नाथद्वारा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेश चंदेल, सोशल मीडिया प्रभारी कपिल जैन, रणवीर सिंह भाटी, जिला उपाध्यक्ष सुरेश जोशी, राजसमंद ब्लॉक अध्यक्ष परसराम कुमावत आदि उपस्थित थे।

3 दिन तक दिल्ली रहेगी बंद, सड़कों पर पसरा रहेगा सन्नाटा; जानिए क्यों

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में सितंबर माह में जी-20 समिट होनी है। इसके लिए सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली पहुंचेंगे। ऐसे में दिल्ली की सुरक्षा को लेकर चाकचौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी के तहत दिल्ली पुलिस ने सितंबर में चार दिनों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है। इसके अनुसार लुटियंस दिल्ली इलाके में बसें नहीं चलेंगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में सितंबर माह में होने वाले जी-20 समिट के आयोजन में सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के हिस्सा लेने के चलते दिल्ली पुलिस व प्रशासन ने सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी के तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सितंबर माह में चार दिनों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जी-20 के तहत जारी एडवाइजरी में कहा है कि सितंबर माह में सात से लेकर 10 तारीख की मध्यरात्रि तक लुटियन्स दिल्ली में बसें नहीं चलेंगी। ऐसे में अगर लोगों को कहीं जाना है तो उन्हें मेट्रो लेने की सलाह दी गई है।

ये हैं नियम-

दिल्ली पुलिस इस दौरान एक हेल्पडेस्क बनाएगी जिस पर उपलब्ध यातायात साधनों की जानकारी होगी और पास के मेडिकल सुविधा की भी जानकारी उपलब्ध रहेगी।

इस दौरान एंबुलेंस के आने-जाने और आवश्यक सेवाओं पर रोक नहीं रहेगी।

नई दिल्ली इलाके में किसी भी तरह की बस के चलने पर मनाही होगी। हालांकि लोग मेट्रो का इस्तेमाल पूरी तरह से कर सकते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने भी मेट्रो इस्तेमाल करने की ही सलाह दी है। जो लोग लुटियंस दिल्ली इलाके में रहते हैं या वो पर्यटक जो इलाकों के होटलों में रुके हैं उन्हें टैक्सी या ऑटोरिक्शा से आने-जाने की इजाजत होगी।

दिल्ली एयरपोर्ट से लुटियंस दिल्ली इलाके में आने वाले लोगों को आईडी कार्ड के प्रॉपर वेरिफिकेशन के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

अधिकारियों का कहना है कि इंटर-स्टेट बसें दिल्ली में प्रवेश तो कर सकेंगी लेकिन इंटर-स्टेट बस टर्मिनल पर रुक नहीं सकेंगी।

एंबुलेंस सहायता सेवा के लिए लोग 6828400604 पर कॉल कर सकेंगे। इस सेवा को सात सितंबर की रात्रि में लॉन्च किया जाएगा। प्रगति मैदान स्थित अंतरराष्ट्रीय कंवेन्शन सेंटर में 9 और 10 तारीख को होने वाले समिट के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जो यातायात को सुचारू बनाने का काम करेंगे।

नरेला में होगा विकास, विश्वविद्यालयों के नए कैंपस के लिए LG ने 50 एकड़ भूमि के आवंटन को दी स्वीकृति

राजधानी दिल्ली के नरेला में विकास को पंख लगने वाले है। दिल्ली के एलजीज ने उत्तरी और उत्तर पश्चिमी दिल्ली में नए विश्वविद्यालय कैंपस के लिए एलजी ने 25-25 एकड़ भूमि के आवंटन को स्वीकृति दे दी है। एलजी वीके सक्सेना की इस हरी झंडी के बाद नरेला में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्विद्यालय का कैंपस और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी खुलेंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला में विकास को पंख लगने वाले है। दिल्ली के एलजीज ने उत्तरी और उत्तर पश्चिमी दिल्ली में नए विश्वविद्यालय कैंपस के लिए एलजी ने 25-25 एकड़ भूमि के आवंटन को स्वीकृति दे दी है। इस हरी झंडी के बाद नरेला में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्विद्यालय का कैंपस और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी खुलेंगे। इसके स्वीकृति के बाद अब यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों और छात्रों के लिए नरेला में बने डीडीए फ्लैट्स खरीदने होंगे। इससे नरेला में लंबे अरसे से नहीं बिक रहे डीडीए फ्लैट्स के बिकने का रास्ता भी खुल गया है।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, अंतरिम जमानत को लेकर आया ये फैसला

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने जैन की अंतरिम जमानत चिकित्सा आधार एक सितंबर तक बढ़ा दी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री अब एक सितंबर तक जेल से बाहर रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई को भी इनकी अंतरिम जमानत बढ़ा दी थी।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने जैन की अंतरिम जमानत चिकित्सा आधार एक सितंबर तक बढ़ा दी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री अब एक सितंबर तक जेल से बाहर रहेंगे।

रीढ़ की हड्डी की हुई सर्जरी

बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिलहाल अंतरिम जमानत पर चल रहे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी शहर के एक निजी अस्पताल में हुई है। इस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। जैन को तीन प्रमुख अस्पतालों द्वारा गंभीर रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की सिफारिश की गई थी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में उनकी सर्जरी की गई।

30 मई, 2022 को हुए थे गिरफ्तार

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लांनड्रिंग मामले में 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह पुलिस हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। तिहाड़ जेल में बंद रहने के दौरान वह बाथरूम में गिर गए थे। इस वजह से उनके कमर में चोट लगी थी। इसके अलावा उन्हें सिर में भी चोट लगने की बात सामने आई थी। इस वजह से वह कई दिनों तक लोकनायक अस्पताल में भर्ती रहे थे।

अभी वर्तमान में वह रीढ़ की हड्डी में परेशानी के चलते बेल पर हैं। जैन पर शेल कंपनियां बनाकर 16 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर करने का आरोप है।

दिल्ली में नए स्कूल का उद्घाटन, आतिशी बोलीं- निजी स्कूल छोड़ सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने आ रहे बच्चे

शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीतमपुरा कोहाट एन्क्लेव में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली देश का इकलौता ऐसा राज्य जहां निजी स्कूल छोड़ कर बच्चे सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने लगे हैं। दिल्ली में चार लाख विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूल में दाखिला लिया।

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीतमपुरा कोहाट एन्क्लेव में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली देश का इकलौता ऐसा राज्य, जहां निजी स्कूल छोड़ कर बच्चे सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने लगे हैं। दिल्ली में चार लाख विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूल में दाखिला लिया।

दिल्ली में महिला के चेहरे पर ब्लेड से किए ताबड़तोड़ वार, गले में चेन की लूट का किया था विरोध

सितंबर में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली हाई अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस बदमाशों पर नकेल कसने में नकाम साबित हो रही है। भजनपुरा इलाके में बदमाश दिनदहाड़े एक महिला के गले से चेन लूटने लगा। विरोध करने पर महिला के चेहरे पर ब्लेड से ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला को लहूलुहान करके बदमाश फरार हो गया।

नई दिल्ली। सितंबर में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली हाई अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस बदमाशों पर नकेल कसने में नकाम साबित हो रही है। भजनपुरा इलाके में बदमाश दिनदहाड़े एक महिला के गले से चेन लूटने लगा। विरोध करने पर महिला के चेहरे पर ब्लेड से ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला को लहूलुहान करके बदमाश फरार हो गया। घायल हालत में शिखा को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़िता की शिकायत पर भजनपुरा थाना पुलिस ने लूट व अन्य धारा में प्राथमिकी की है। इस वारदात से यह साफ पता चलता है कि बदमाश खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहे हैं और उनके सुरक्षा इंतजामों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

सिलाई सेंटर जा रही थी पीड़िता

शिखा अपने परिवार के साथ भजनपुरा में रहती हैं। वह अपनी देवरानी शिवानी के साथ भजनपुरा में एक सिलाई सेंटर में प्रशिक्षण लेने जाती हैं। वह देवरानी के साथ सिलाई सेंटर जा रही थी, देवरानी थोड़ी पीछे चल रही थी। उसी दौरान पैदल ही एक बदमाश आया और शिखा को घेर लिया और उनके गले से चेन लूटने लगा।

चेहरे पर ब्लेड से ताबड़तोड़ वार किए

पीड़िता ने विरोध किया तो बदमाश ने जेब से ब्लेड निकालकर उनके चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। महिला के घायल होने पर चेन तोड़ ली। शोर होने पर पीड़िता की देवरानी व राहगीर जब बदमाश की तरफ गए तो उसके हाथ से चेन गली में ही गिर गई और वह फरार हो गया। महिला के चेहरे पर अलग-अलग जगह चार से पांच वार के निशान हैं। दिनहदाड़े हुई इस वारदात ने बता दिया कि राजधानी में महिलाएं कितनी सुरक्षित हैं। वारदात से पीड़िता बुरी तरह से डरी हुई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पति से माता-पिता छुड़वाकर उस पर 'घर जमाई' बनने का दबाव डालना क्रूरता के समान- हाईकोर्ट

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक पत्नी अपने पति से अपने माता-पिता को छोड़ने और घर जमाई बनने या उसके घर में रहने का आग्रह करना क्रूरता के समान है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने विवाह करने वाले एक जोड़े का तलाक मंजूर कर लिया। दोनों ने 2001 में विवाह किया था।

नई दिल्ली। पति से माता-पिता छुड़वाकर उस पर 'घर जमाई' बनने का दबाव डालना क्रूरता के समान है। यह टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने एक शादीशुदा जोड़े को तलाक की आधिकारिक मंजूरी दे दी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक पत्नी अपने पति से अपने माता-पिता को छोड़ने और घर जमाई बनने या उसके घर में रहने का आग्रह करना क्रूरता के समान है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने विवाह करने वाले एक जोड़े का तलाक मंजूर कर लिया। दोनों ने 2001 में विवाह किया था। इसके एक साल बाद अलग रहना शुरू कर दिया था।

कालकागढ़ी चौक पर किराना मंडी चौकी के सामने से नेहरू नगर की ओर मुड़ते समय पुराना बस अड्डा से आए पिकअप ने टक्कर मार दी।

तेज रफ्तार पिकअप ने ऑटो में मारी टक्कर, व्यक्ति की मौत; माता-पिता समेत चालक घायल

परिवहन विशेष न्यूज

कालकागढ़ी चौक पर तेज रफ्तार पिकअप (मालवाहक वाहन) ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और उनके माता पिता और चालक घायल हो गए। हादसा 22 अगस्त को तड़के सवा पांच बजे हुआ। फुटेज में दिख रहा है कि टक्कर मारकर आरोपित चालक सीधे निकल गया। विवेकानंद नगर में सुनील कुमार शर्मा पिता मदन मोहन शर्मा व मां किरन के साथ रहते थे।

गाजियाबाद। कालकागढ़ी चौक पर तेज रफ्तार पिकअप (मालवाहक वाहन) ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और उनके माता, पिता और चालक घायल हो गए। हादसा 22 अगस्त को तड़के सवा पांच बजे हुआ। फुटेज में दिख रहा है कि टक्कर मारकर आरोपित चालक सीधे निकल गया।

विवेकानंद नगर में सुनील कुमार शर्मा, पिता मदन मोहन शर्मा व मां किरन के साथ रहते थे। वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत थे। सुनील फर्रुखाबाद में अपनी बहन स्वाति के घर पूजा में शामिल होकर कालिंदी एक्सप्रेस से माता-पिता के साथ 22 अगस्त को तड़के पौने पांच बजे गाजियाबाद जंक्शन पर उतरे थे। स्टेशन से वह रवि के आटो से घर के लिए निकले।

कालकागढ़ी चौक पर किराना मंडी चौकी के सामने से नेहरू नगर की ओर मुड़ते समय पुराना बस अड्डा से आए पिकअप ने टक्कर मार दी। चारों को जिला एमएमजी अस्पताल ले गए, जहां सुनील को मृत घोषित कर दिया गया। किरन की रीढ़ व कंधे की हड्डी टूट गई। रवि और मदन मोहन का भी इलाज चल रहा है।

स्वाति के पति चंदन का कहना है कि सास-ससुर काफी बुजुर्ग हैं और सुनील उनके इकलौते सहारे थे। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया है। फुटेज व वाहन नंबर के आधार पर आरोपित चालक को तलाश रहे हैं।

रेलिंग तोड़ आरओबी से गिरी कार

तेज रफ्तार कार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े 11 बजे कवि नगर आरओबी की रेलिंग तोड़कर थाना सिहानी गेट सामने जा गिरी। गनीमत थी कि उस समय नीचे से कोई गुजर नहीं रहा था, जिस कारण बड़ा हादसा होने से टल गया। एयरबैग खुलने से कार सवार की जान बाल-बाल बच गई।

वहीं, कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कवि नगर के नितिन ने बताया कि वह फोर्ड ईकोस्पोर्ट कार से नवयुग मार्केट स्थित अपनी एडवरटाइजिंग एजेंसी के कार्यालय जा रहे थे। कार 60 किमी की स्पीड पर थी। आरओबी से उतरते समय पीछे से एक वैगन आर कार ने टक्कर मार दी। अनियंत्रित होकर उनकी कार रैंप पर चढ़ गई और रेलिंग को तोड़कर नीचे जा गिरी। उन्हें एक दो जगह सिर्फ खरोंच आई है।

विरोध पर कैब चालक को बुरी तरह पीटकर फेंका, शिकायत करने पर दी जान से मारने की धमकी

परिवहन विशेष न्यूज

भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर बेखौफ तीन बदमाशों ने बुधवार रात कैब लूट की वारदात को अंजाम दिया। नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर तीन हजार की नगदी मोबाइल व कैब की चाबी लूट ली। विरोध पर आरोपितों ने कैब चालक को पीटकर फेंक दिया। धमकी दी यदि किसी से इस बारे में तो जान से मार दिया जाएगा।

गाजियाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर बेखौफ तीन बदमाशों ने बुधवार रात कैब लूट की वारदात को अंजाम दिया। नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर तीन हजार की नगदी, मोबाइल व कैब की चाबी लूट ली। विरोध पर आरोपितों ने कैब चालक को पीटकर फेंक दिया। धमकी दी यदि किसी से इस बारे में तो जान से मार दिया जाएगा।

मामले में केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया है। मेरठ जिले के नौचंदी थाना क्षेत्र की नेहरू नगर के विशाल कैब चालक हैं। वे दिल्ली-एनसीआर में कैब चलाकर परिवार का पालन करते हैं। बुधवार रात को उन्हें गाजियाबाद के लाल कुआं से मेरठ जाने के लिए बुकिंग मिली। तीन युवक आए और कैब में बैठ गए। मेरठ जाने के लिए विशाल ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर कार मोड़ दी।

कार रोकते ही निकाला तमंचा

इस बीच जब वे भोजपुर में अंडरपास के निकट पहुंचे तो एक आरोपित ने उनसे कैब रोकने के लिए कहा। कहा कि उनका एक साथी रास्ते हैं। वह भी उनके साथ चलेगा। जैसे ही विशाल ने कैब रोकी तो एक आरोपित ने कनपटी पर तमंचा लगाकर विशाल को कैब से उतार दिया। दो आरोपित उन्हें पीटने लगे।

विशाल ने छोड़ने की मिन्नते की तो आरोपित ने उनकी जेब से नकदी व मोबाइल लूट लिया। बेरहमी से पीटकर विशाल को एक्सप्रेस वे के किनारे फेंक दिया और उसकी कैब की चाबी लूटकर फरार हो गये। किसी तरह विशाल भोजपुर थाने पहुंचे और पुलिस को सारी बात बताई।

पुलिस ने रातभर आरोपित की तलाश की। लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। विशाल के मुताबिक, आरोपितों के पास हथियार थे। यदि वे उन्हें सामान नहीं देते तो आरोपित उनकी हत्या कर देते। बदमाशों की उम्र 25 से तीस वर्ष के आसपास रही होगी।

भोजपुर थाने से 100 मीटर की दूरी पर हुआ हादसा

जिले में लगातार लूट की घटनाएं बढ़ रही हैं। लेकिन पुलिस सक्रियता बढ़ाने की जरूरत नहीं समझ रही। भोजपुर थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर बेखौफ बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया और पुलिस सोती रही। यदि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस पर पुलिस गश्त करती तो शायद बदमाश घटना करने की हिम्मत ना जुटा पाते। इस घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। आरोपितों के खिलाफ कुछ साक्ष्य पुलिस को मिले हैं। जल्दी ही आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा। -ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी मोदीनगर।

बारिश के कारण मकान की छत गिरने से महिला की मौत, घर में अकेली थी वृद्धा

बारिश के के चलते बृहस्पतिवार को गाजियाबाद के मुरादनगर की नूरगंज कालोनी में एक मकान की छत गिर पड़ी। हादसे में मकान में सो रही वृद्धा जुबैदा(64) गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास के लोगों ने उन्हें मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया जहां वृद्धा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय घर पर वृद्धा अकेली थी।

मोदीनगर। वर्षा के चलते बुधवार रात को मुरादनगर की नूरगंज कालोनी में एक मकान की छत गिर पड़ी। हादसे में मकान में सो रही वृद्धा जुबैदा(64) की मौत हो गई। स्वजन की सहमति पर पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव उन्हें सौंप दिया।

जर्जर हाल में था मकान

मौके पर जाकर एसडीएम ने निरीक्षण भी किया। बताया जा रहा है कि मकान जर्जर हाल था। नूजरगंज कालोनी में जुबैदा परिवार समेत रहती थी। बुधवार को पूरे दिन वर्षा हो रही थी। जिसके चलते मकान की छत पर पानी भर गया। रात को जब वर्षा रुकी तो परिवार के अन्य लोग बाहर चले गए।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

जुबैदा कमरे में सो रही थी। इस बीच अचानक मकान की छत भरभराकर गिर पड़ी। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद मलबे से जुबैदा को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने जुबैदा को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस, एसडीएम समेत अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर निरीक्षण किया।

आसपास के लोगों ने बताया कि मकान जर्जर हालत में था। मकान की छत से प्लास्टर गिरता था। उधर, हादसे के बाद से परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। उनके रहने के लिए प्रशासन ने व्यवस्था कराई है। एसडीएम ने बताया कि मौके पर निरीक्षण कर अधीनस्थों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। परिवार की हर संभव मदद की जाएगी।

प्रतीक ग्रैंड सिटी की 18वीं मंजिल से कूदकर महिला की ने दी जान

सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी में 51 वर्षीय महिला ने बृहस्पतिवार को 18वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। महिला ने सुसाइड नोट में अकेलेपन के कारण यह कदम उठाने की बात लिखी है। पुलिस को शाम पौने चार बजे सूचना मिली। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि सी-10 टावर में रेखा उनियाल पति नरेंद्र बेटा व बेटी के साथ रहती थीं।

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी में 51 वर्षीय महिला ने बृहस्पतिवार को 18वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। महिला ने सुसाइड नोट में अकेलेपन के कारण यह कदम उठाने की बात लिखी है। पुलिस को शाम पौने चार बजे सूचना मिली। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि सी-10 टावर में रेखा उनियाल पति नरेंद्र, बेटा व बेटी के साथ रहती थीं। नरेंद्र सूर्य नगर में एक स्कूल के प्रबंधक हैं और बेटा व बेटी भी जॉब करती हैं।

चोरी के 10 वाहनों के साथ दो शातिर गिरफ्तार

साहिबाबाद। कोतवाली पुलिस ने अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली-एनसीआर से चोरी के 10 वाहनों के साथ दो शातिरों रमीज और दीपक निवासी साधुराम कालोनी को गिरफ्तार किया है। लोगों से खुद को वाहनों का मालिक बताकर दोनों कम दाम बेच देते थे। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी की आठ बाइक और दो स्कूटी बरामद किए हैं। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि रमीज और दीपक दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग जगहों से वाहनों को चोरी करते थे। इन्होंने पार्श्वनाथ सोसायटी के पीछे मकान में चोरी वाहनों का अड्डा बनाया हुआ था। इनके गिरोह में और भी लोग शामिल हैं। पूछताछ में कई के नाम सामने आए हैं। वे सभी भागे हुए हैं। उनकी तलाश में टीम लगी है। दोनों पर दिल्ली-एनसीआर में करीब 12 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनके रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। एसीपी का कहना है कि दोनों ने चोरी वाहनों के अलग-अलग पार्ट्स करके भी बेच देते थे।

ट्रॉनिका सिटी में बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी, 20 से अधिक छात्र थे सवार, करीब छह घायल

गाजियाबाद के थाना ट्रॉनिका सिटी के मीरपुर हिंदू गांव के बहार बच्चों से भरी स्कूल बस पलट गई। बताया जा रहा है बस को बैक करने के दौरान यह हादसा हुआ। बस में 20 से अधिक बच्चे सवार थे। पांच से छह बच्चों को चोट आई है। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुएं की खुदाई के दौरान तीन मजदूर दबे, 1 की मौत

लोनी/साहिबाबाद। ग्राम सिरोरा स्थित एक कुएं की 20 फीट गहरे गड्ढे की खुदाई के दौरान तीन मजदूर दब गए। एक मजदूर को दो घंटे बाद जेसीबी मशीन से बाहर निकाला गया। उसकी मौत हो गई। दो मजदूरों को समय रहते बाहर निकाल लिया था। तीनों मजदूर रटोल गांव के रहने वाले हैं। तीनों मजदूर 500 रुपये की दिहाड़ी पर काम करने के लिए आए थे। बागपत के रटोल गांव में तोहिद (40) परिवार के साथ रहते थे। वह मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी शाबाना, तीन लड़कियां और दो लड़के हैं। रटोर गांव में इकबाल और मोहसीन भी रहते हैं। तीन एक साथ मजदूरी पर जाते हैं। बृहस्पतिवार को तोहिद अपने दो साथियों इकबाल और मोहसीन के साथ लोनी के सिरोरा गांव में काम करने आए थे। एक मकान की भूमि पर बने पुराने कुएं की खुदाई का ठेका तीनों मजदूरों को मिला था। सुबह से ही तीनों मजदूर करीब 20 फीट गहरे कुएं को खोदने में लगे थे। तीनों ने करीब 10 फुट कुएं को खोद दिया था। शाम के समय खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी ढह गई। समय रहते इकबाल बाहर आ गए। मोहसीन और तोहिद मिट्टी में दब गए। इकबाल ने आसपास के लोगों को शोर मचाकर बुलाया। इकबाल ने मोहसीन के हाथ को देख लिया। मोहसीन को बचाने के लिए इकबाल गड्ढे में कूद गए और मोहसीन को बाहर निकाला। इस दौरान आसपास के लोग बाहर आ गए।

लोगों ने तोहिद को तलाश किया लेकिन वह कहीं नहीं दिखा। इस दौरान ग्रामीणों ने पास के गांव से जेसीबी मशीन को बुलाया। मशीन ने करीब दो घंटे में तोहिद को बाहर निकाला। तोहिद को लोनी दो नंबर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने तोहिद को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन लोनी पहुंचे। एसीपी शालीमार गार्डन शोर्यबली मोर्या ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

यूपी पुलिस के सिपाही को ब्लैकमेल कर रही महिला, अश्लील फोटो वायरल करने की दी धमकी

परिवहन विशेष न्यूज

सिपाही के अश्लील फोटो बना ब्लैकमेल कर शादी करने का दबाव बनाने और रंगदारी वसूलने का मामला आया है। शादी का इनकार करने पर जब उसने इनकार किया तो बोली कि तुम्हारे अश्लील फोटो बना लिए हैं जिन्हें प्रसारित कर दूंगी। ब्लैकमेल कर उनके कई बार रंगदारी भी वसूली गई। आरोपितों ने इससे पहले उनकी व चुनमुन की शादी के पंजीकरण के फर्जी दस्तावेज भी तैयार करा लिए थे।

गाजियाबाद। सिपाही के अश्लील फोटो बना ब्लैकमेल कर शादी करने का दबाव बनाने और रंगदारी वसूलने का मामला आया है। पीड़ित को घर बुलाकर जानलेवा हमला किया। इसके बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो कोर्ट में याचिका लगानी पड़ी।

लखीमपुर खीरी में तैनात है सिपाही

एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर थाना क्रासिंग रिपब्लिक में खैराती नगर के सुखबीर सिंह, उसकी बेटी चुनमुन, बेटे आकाश व रिंकू और पत्नी विमलेश के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बुलंदशहर के सिपाही लखीमपुर खीरी में तैनात हैं।

वीडियो कॉल कर लिया स्क्रीनशॉट

तीन साल पहले बहन की शादी के दौरान चुनमुन उनसे मिली और नंबर ले लिया। इसके बाद बात करने लगी और कई बार वीडियो कॉल कर स्क्रीन शाट भी ले लिए। इसके बाद वह शादी का दबाव बनाने लगी। इनकार किया तो बोली कि तुम्हारे अश्लील फोटो बना लिए हैं, जिन्हें प्रसारित कर दूंगी।

ब्लैकमेल कर उनके कई बार रंगदारी भी वसूली गई। 31 मई को चुनमुन ने घर बुलाया, जहां उसने व अन्य स्वजन ने उन्हें बंधक बना लिया और हमला कर सिर फोड़ दिया। शोन सुन आए लोगों ने उन्हें बचाया। आरोपितों ने इससे पहले उनकी व चुनमुन की शादी के पंजीकरण के फर्जी दस्तावेज भी तैयार करा लिए थे।

करंट लगने से तीन कामगारों की दर्दनाक मौत, हाईटेंशन तार के संपर्क में आई थी लोहे की ट्रॉली

परिवहन विशेष न्यूज

सिद्धार्थ विहार आवासीय योजना स्थित टी होम्स की साइट पर शुक्रवार को करंट लगने से तीन कामगारों की मौत हो गई है। इजरायल शुभांकर और गोविंद पेंट की ट्राली को ऊपर खींच रहे थे। ट्राली लोहे के तार से बंधी थी। बीच में यह तार विद्युत लाइन से छू गया जिस कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे।

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार आवासीय योजना स्थित टी एंड टी ग्रुप के टी होम्स की साइट पर शुक्रवार को करंट लगने से तीन कामगारों की मौत हो गई है। हादसा दोपहर बाद करीब दो बजे हुआ। तीनों का पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया।

तीन लोगों की हुई मौत

हादसे के बाद एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी और एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने घटनास्थल का जायजा लिया तो पता चला कि कार्य के समय निर्माण कंपनी का सुरक्षा अधिकारी मौके पर नहीं था। विद्युत सुरक्षा विभाग की टीम ने भी जांच की है।

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) में इमाम नगर के इजरायल एसके और शमशेरगंज के शुभांकर और गोकुल की मौत हुई है।

तीनों टी होम्स की साइट पर काम कर रहे थे, जहां निर्माण के बाद रंगरोगन व अन्य कार्य पूरे किए जा रहे हैं। शुक्रवार को तीनों 26वें तल पर सहकर्मी राहुल के साथ मौजूद थे। राहुल ने बताया कि वे पेंट की ट्राली को ऊपर खींच रहे थे। तभी वह नीचे कुछ सामान लेने आए। अचानक ट्राली धड़ाम से जमीन पर गिरी। दौड़कर ऊपर पहुंचे तो तीनों साथी अचेत पड़े थे। अस्पताल ले जाने पर इन्हें मृत घोषित कर दिया।

राहुल का कहना था कि ट्राली लोहे के तार से बंधी थी, जो बीच में किसी तल पर विद्युत लाइन से छू गया। पुलिस की शुरुआती छानबीन में सामने आया है कि कार्य के लिए स्वचालित केबल कार लगी है। इसी के जरिये पेंट व अन्य सामान ऊपर पहुंचाया जा रहा था। शुक्रवार को केबल कार को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया जा रहा था। शिफ्टिंग के दौरान केबल कार की विद्युत आपूर्ति काट दी जाती है। तीनों ट्राली को ऊपर खींच रहे थे कि तभी इसमें करंट आ गया।

पुलिस दर्ज करेगी रिपोर्ट!

कामगार जिस तार को ऊपर खींच रहे थे वह लोहे का है। विद्युत तार आदि के काम में कामगारों को ऐसे ग्लव्स दिए जाते हैं, जिनसे कि करंट न लगे। यदि तीनों के पास ये ग्लव्स होते तो तीनों की जान बच सकती थी।

पर्यवेक्षण में लापरवाही भी सामने आई है। हादसे की वजह के बारे में भी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। इसीलिए पुलिस की सूचना पर विद्युत सुरक्षा की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन की। यदि विद्युत सुरक्षा विभाग कार्य स्थल पर लापरवाही की रिपोर्ट देता है तो पुलिस स्वतः संज्ञान लेकर रिपोर्ट दर्ज करेगी।

मृतकों के स्वजन ने गाजियाबाद पहुंचने में तीन दिन लगने की बात कही, जिस कारण एंबुलेंस से तीनों के शव पैतृक निवास पहुंचाने की व्यवस्था की है। फिलहाल शिकायत नहीं मिली है। मौके पर सुरक्षा अधिकारी नहीं थे। यदि विद्युत सुरक्षा विभाग की रिपोर्ट में लापरवाही मिलती है तो पुलिस की ओर से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। - अजय कुमार मिश्र, पुलिस कमिश्नर

इंद्रप्रस्थ कॉलेज के बाहर गाड़ियों के शीशे तोड़कर 9 फोन और 50 हजार रुपये चोरी

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के बाहर पार्किंग स्थल से बृहस्पतिवार सुबह चोरों ने तीन गाड़ियों के शीशे तोड़कर छात्र-छात्राओं के 12 से अधिक फोन, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, कागजात और 50 हजार की नकदी चोरी कर ली। सभी एमबीए की परीक्षा देने आए थे। दिनदहाड़े चोरी की घटना से भड़के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया। छात्राओं ने पार्किंग में कैमरे नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। सूचना के बाद लिंक रोड थाना पुलिस ने एक गार्ड को कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू की। क्रॉसिंग रिपब्लिक की सोसायटी के हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि एमबीए की परीक्षा देने के लिए कॉलेज में प्रवेश से पहले उन्होंने प्रबंधन से लॉकर के बारे में पूछा था लेकिन गार्ड ने मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने दोस्त की गाड़ी में फोन, पर्स, कागजात, 11 हजार की नकदी रख दी। इंदिरापुरम के वैभवखंड की जीसी ग्रैंड सोसायटी में रहने वाली छात्रा प्रणाली भार्गव का फोन, डेबिट-क्रेडिट कार्ड,आधार कार्ड, कॉलेज के कागजात और एक हजार रुपये, दिल्ली मयूर विहार फेज-2 की अंकिता मेहरा की गाड़ी से चोरों ने दो दिन पूर्व नंबर प्लेट चोरी कर ली थी। इसके बाद गाड़ी का शीशा तोड़कर बैंक और गाड़ी के दस्तावेज व दो हजार रुपये, राजनगर एक्सटेंशन की अन्वेषा पांडेय के बैग, हेलमेट और दो हजार रुपये, शक्तिखंड इंदिरापुरम के तुषार कुमार की गाड़ी का शीशा तोड़कर नकदी और फोन चोरी कर लिया। दिव्या शर्मा, रिया, गौरवी, शुभम के बैग से डीएल, आधार कार्ड, छह फोन, पांच हजार रुपये, राजेंद्र नगर निवासी रोहित की थार गाड़ी से यश, सारांश, अभिषेक के फोन व 20 हजार से अधिक नकदी चोरी कर ली। शिकायतकर्ता छात्राओं का कहना था कि चोरों ने तीन गाडियों से 12 से अधिक फोन, दस्तावेज और 50 हजार की नकदी हाथ साफ कर लिया। लिंकरोड पुलिस को मामले में शिकायत दी है। कॉलेज के निदेशक डॉ. अजय कुमार का कहना था कि छात्र-छात्राओं के सामान रखने की व्यवस्था की थी। पार्किंग में एक गार्ड भी था। उसे एजेंसी के जरिए रखा गया था। छात्र-छात्राओं के चोरी हुए सामान का पैसा एजेंसी से दिलाया जाएगा। एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा का कहना है कि कॉलेज के बाहर गाड़ियों के शीशे तोड़कर फोन और नकदी चोरी की शिकायत मिली है।

सावन के गीतों पर झूमीं महिलाएं, हाथों में लगाई मेहंदी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। शहर के सेक्टरों, सोसाइटी व क्लब में हरियाली तीज को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। दो दिन पहले बृहस्पतिवार को क्लब और सोसाइटी में महिलाओं ने मिलकर हरियाली तीज का उत्सव मनाया। इस दौरान वह उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर नजर आईं। तीज कार्यक्रमों में महिलाओं ने स्टॉल भी लगाए थे। इसमें विभिन्न प्रकार के कपड़े और आभूषण प्रदर्शित किए गए। रंगारंग कार्यक्रमों के अलावा महिलाओं ने कई प्रकार के खेलों में हिस्सा लिया और सावन के गीतों पर जमकर झूमीं।

सेक्टर-51 स्थित वेंडिग विला में संस्कृति दर्पण क्लब की महिलाओं ने पारंपरिक व आधुनिक तरीके से हरियाली तीज उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। तीज महोत्सव में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार, नृत्य प्रतियोगिता, तंबोला समेत कई प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन किया। महिलाओं के क्लब की सदस्यों ने नगाड़े संग डोल बजाए, रंगीलो मारो डोलना, मेरी चूनर उड़ उड़ जाए आदि गीतों पर नृत्य कर समा बांध दिया। सभी महिलाओं ने मेहंदी लगावाई और एक दूसरे को हरियाली तीज की बधाई दी। इस दौरान सुमन बंसल, शोभा गुप्ता, सुधा, रुचि समेत महिलाएं मौजूद रहीं।

बंजारा स्टाइल में मनाया महोत्सव

नोएडा (संवाद)। सेक्टर-122 में उमंग व उत्साह के साथ महिलाओं ने हरियाली तीज का पर्व बंजारा स्टाइल में मनाया। इस उत्सव में सभी महिलाएं बंजारा वेशभूषा में सजी संवरी नजर आईं। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। इसके बाद महिलाओं ने सावन के गीतों पर नृत्य किया और गेम भी खेले। झूला झूलकर लुत्फ उठाया। तीज क्वीन, नृत्य, मेंहदी आदि प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान स्वाति अग्रवाल, सरोज बाला, सीमा गर्ग, रजनी गोयल, अपर्णा अग्रवाल, अनीता चौहान, हेमा भारती, प्रियंका सिंह, अनिशा अग्रवाल, मिथिलेश अग्रवाल, केशर भाटी आदि मौजूद रही।

हरियाली तीज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोएडा (संवाद)। एसोसिशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 की ओर से बृहस्पतिवार को नोएडा हाट में तीज महोत्सव का कार्यक्रम किया गया1 महोत्सव में महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। महोत्सव का शुभारंभ नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने किया। सुधीर सिंह, केसी रावत, दिनेश भाटी, सुनील जैन, एसके सिंघल, एसपी चमोली समेत मौजूद रहे1

सस्ती होगी विदेशी इलेक्ट्रिक कारें? Tesla से बातचीत के बीच सरकार की नई ईवी पॉलिसी लाने की योजना

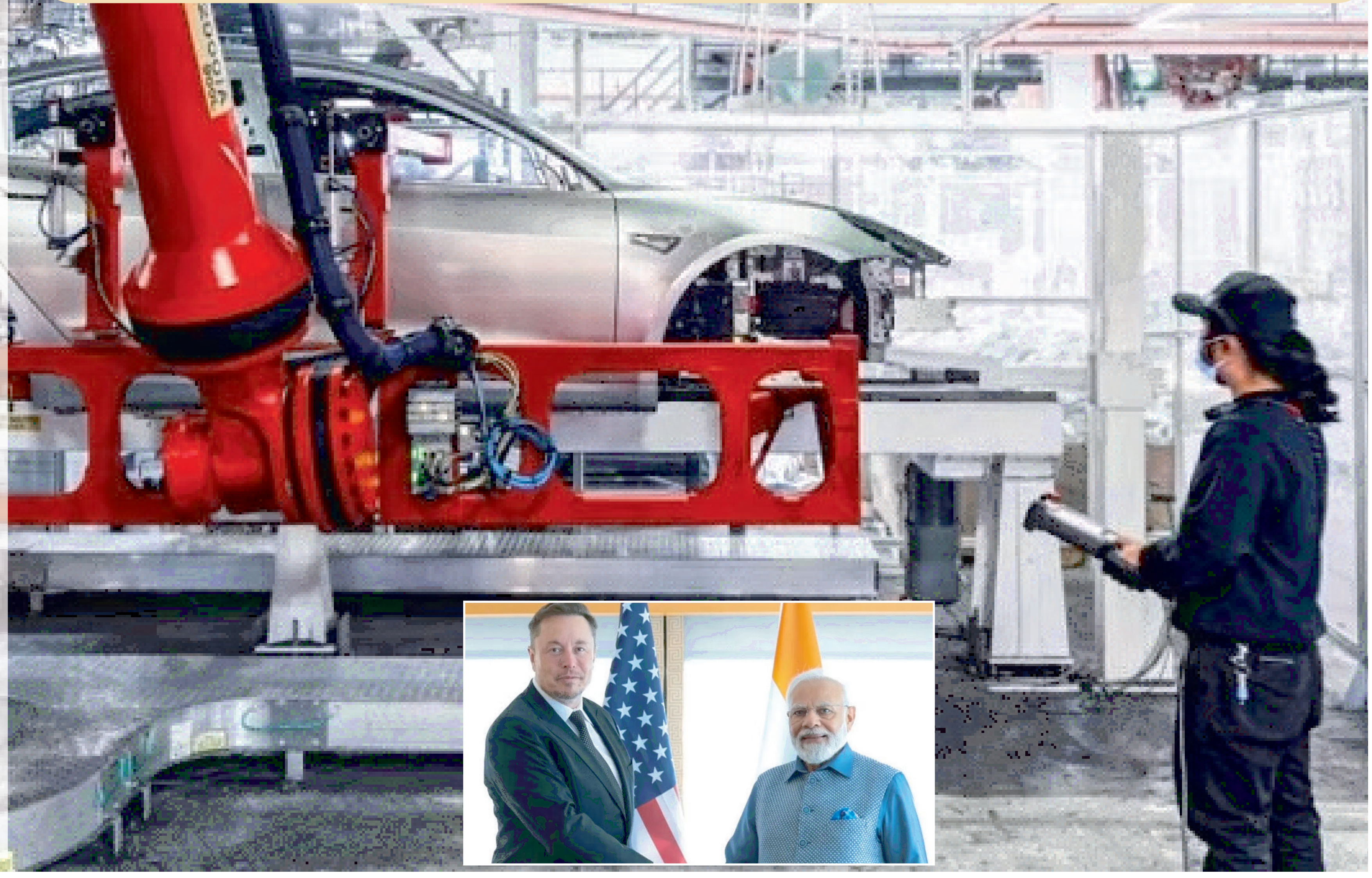

भारत एक नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति पर काम कर रहा है, जो टेस्ला के एक प्रस्ताव के बाद कुछ स्थानीय मैन्युफेक्चरिंग के लिए प्रतिबद्ध वाहन निर्माताओं के लिए इंपोर्ट टैक्स (आयात कर) में कटौती करेगी। टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में एंट्री करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले लोगों ने इसकी जानकारी दी है।

जिस नीति पर विचार किया जा रहा है, वह वाहन निर्माताओं को कम से कम 15 प्रतिशत टैक्स पर भारत में पूरी तरह से निर्मित ईवी आयात करने की अनुमति दे सकती है, जबकि मौजूदा 100 प्रतिशत टैक्स उन कारों पर लागू होता है जिनकी कीमत 40,000 डॉलर से ज्यादा है और बाकी के लिए 70 प्रतिशत है। ऐसा दो सूत्रों ने बताया, जिनमें भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, टेस्ला का सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल Y, टैक्स से पहले अमेरिका में 47,740 डॉलर से शुरू होता है। इस मुद्दे से परिचित अधिकारी ने कहा, ₹टेस्ला के प्रस्ताव पर सहमति है और सरकार दिलचस्पी दिखा रही है।₹

यदि ऐसी नीति अपनाई जाती है, तो इससे आयातित ईवी की लागत में भारी कमी आ सकती है, जिससे स्थानीय कार निर्माता बचना चाहते हैं। यह टेस्ला से इतर अन्य वैश्विक वाहन निर्माताओं के लिए दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार में एंट्री के दरवाजे भी खोल सकता है, जहां ईवी की बिक्री कुल कार बिक्री का 2 प्रतिशत से कम है, लेकिन तेजी से बढ़ रही है।

एक तीसरे सूत्र ने कहा कि कम आयात कर से टेस्ला को भारत में अपने मॉडलों की पूरी रेंज बेचने में मदद मिल सकती है, न कि सिर्फ नई कार जिसे वह स्थानीय स्तर पर बनाना चाहता है।

अन्य देशों ने ईवी विनिर्माण प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देने के लिए ऐसे ही उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया ने निवेश की योजना बना रहे ईवी निर्माताओं के लिए आयात शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर जीरो करने की पेशकश की है, इस कदम का मकसद चीनी कंपनियों और टेस्ला को आकर्षित करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत के वाणिज्य और वित्त मंत्रालय और टेस्ला ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। दो सूत्रों ने कहा कि नीति अभी भी विचार-विमर्श के शुरुआती चरण में है और फाइनल टैक्स रेट बदल सकती है।

टेस्ला ने पहली बार 2021 में अधिकारियों पर ईवी के लिए 100 प्रतिशत आयात टैक्स कम करने के लिए दबाव डालकर भारत में एंट्री करने की कोशिश की। पिछले साल, टेस्ला और भारत सरकार के बीच बातचीत तब नाकाम हो गई जब अधिकारियों ने बताया कि कंपनी को पहले स्थानीय स्तर पर मैन्युफेक्चरिंग के लिए प्रतिबद्ध होना होगा।

हाल ही में, टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों से कहा है कि वह एक स्थानीय फैक्ट्री स्थापित करने और 24,000 डॉलर की कीमत वाली एक नई ईवी बनाने की इच्छुक है, जो भारतीय बाजार और निर्यात दोनों के लिए इसके मौजूदा एंट्री मॉडल से लगभग 25 प्रतिशत सस्ती है।

BYD भारत में जल्द पेश करेगी किफायती इलेक्ट्रिक कार? 10 लाख के आस-पास हो सकती है कीमत

BYD ने भारतीय बाजार में एक नए इलेक्ट्रिक वाहन के लिए ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने इसे BYD Seagull नाम दिया है। फिलहाल BYD Seagull के स्पेसिफिकेशन आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आए हैं। हालांकि सीगल को दो संस्करणों में पेश किए जाने की उम्मीद है। इनमें स्टैंडर्ड और लॉन्ग रेंज शामिल हैं। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। BYD ने भारतीय बाजार में एक नए इलेक्ट्रिक वाहन के लिए ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया है। इसे Seagull नाम दिया गया है और ये एक इलेक्ट्रिक हैचबैक है। फिलहाल, लॉन्च टाइमलाइन की पुष्टि नहीं हुई है। अगर इसे लॉन्च किया जाता है, तो सीगल BYD के लाइनअप में सबसे छोटी पेशकश होगी। इंडियन मार्केट में इसका मुकाबला Tata Tiago EV, MG Comet EV और Citroen eC3 से होने वाला है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

BYD Seagull की संभावित कीमत

BYD ने अप्रैल में शंघाई 2023 मोटर शो में पहली बार आधिकारिक तौर पर Seagull का अनावरण किया था। ये ब्रांड का सबसे किफायती वाहन है इसलिए यह समझ में आता है कि BYD इसे भारतीय बाजार में लॉन्च करने पर विचार कर रही है। निर्माता ने घोषणा की है कि सीगल की कीमत 78,800 से 95,800 आरएमबी के बीच होगी जो लगभग 9 लाख से 11 लाख के बीच होती है।

स्पेसिफिकेशन, फीचर्स और रेंज

फिलहाल, BYD Seagull के स्पेसिफिकेशन आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आए हैं। हालांकि, सीगल को दो संस्करणों में पेश किए जाने की उम्मीद है। इनमें स्टैंडर्ड और लॉन्ग रेंज शामिल हैं। पहला वेरिएंच 76 बीएचपी इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा जो 30 kWh बैटरी पैक द्वारा संचालित होगा। एक बार चार्ज करने पर इसके 305 किमी तक चलने की उम्मीद है। बड़े बैटरी पैक की क्षमता 38 kWh होगी, जो लगभग 405 किमी की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम होनी चाहिए। यह एक अधिक शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा, जो लगभग 98 बीएचपी देने में सक्षम होना चाहिए।

अन्य BYD वाहनों की तरह, सीगल का डिजाइन भी बहुत यूनिक है। ये कॉम्पैक्ट दिखती है, इसका डिजाइन लंबा है और साथ ही ये काफी आक्रामक भी है। साइड प्रोफाइल से देखने पर बोनट और विंडशील्ड में निर्बाध ढलान है। हेडलैम्प्स का डिजाइन आक्रामक है और दिलचस्प बात यह है कि विंडशील्ड के लिए केवल एक वाइपर है।

किनारों पर अलॉय व्हील, फ्लश सिटिंग दरवाजे के हैंडल और प्लास्टिक क्लैडिंग हैं। आगे और पीछे के बंपर काफी आक्रामक तरीके से डिजाइन किए गए हैं और पीछे के टेल लैंप काफी पतले हैं। एक किफायती कार होने के बावजूद, BYD पीछे की ओर एक लाइट बार की पेशकश कर रही है।

Ola ने 4 इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट मोटरसाइकिलें पेश कीं: वो सब कुछ जो आप जानना चाहते हैं

बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, Ola Electric ने आखिरकार इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने हाल ही में अपने उद्घाटन ग्राहक दिवस लाइव इवेंट के दौरान चार नई इलेक्ट्रिक मोटरबाइकों का अनावरण किया। पेश की गई चार नई बाइक्स को Cruiser, एडवेंचर, रोडस्टर और डायमंडहेड नाम दिया गया है। ये बिल्कुल नई बाइकें भारत में तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक मोटरबाइक बाजार में प्रवेश करने के कंपनी के प्रयास को दर्शाती हैं।

Ola Electric ने अपनी पहली ईवी मोटरसाइकिल Cruiser का अनावरण किया। यह भारत में ईवी Cruiser बाइक के शुरुआती अनावरणों में से एक है। Ola Electric का क्रूज़र अपनी चिकनी बॉडी लाइनों की विशेषता वाले आरामदायक रुख को प्रदर्शित करता है। Cruiser पर राइडर और पिलियन सीटें सहजता से विलीन हो जाती हैं, जो एक चिकना और आधुनिक स्वरूप प्रस्तुत करती हैं। कंपनी के अनुसार, Cruiser 200-250 किमी की अनुमानित रेंज पेश करेगा, जिससे यह शहर के आवागमन और छोटी सड़क यात्राओं दोनों को पूरा करने में सक्षम होगा। विशेष रूप से, क्रूज़र में सिंगल स्विंग-आर्म रियर व्हील और यूएसडी फोर्क से सुसज्जित फ्रंट व्हील है, जिनकी माप क्रमशः 17 इंच और 19 इंच है।

लाइनअप में अगला Ola Electric Adventure मॉडल है, जिसे विशेष रूप से ऑफ-रोड उत्साही लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ऑफ-रोड मॉडल देश के उन उत्साही लोगों के लिए तैयार किया गया है जो ऑफ-रोडिंग का आनंद लेते हैं। एडवेंचर मॉडल एक प्रभावशाली और सीधा रुख पेश करता है, जो ऊबड़-खाबड़ इलाकों के लिए तैयार किया गया है। ऑफ-रोड मॉडल हैंडलबार पर केंद्र में स्थित 5-इंच डिजिटल डिस्प्ले से सुसज्जित होगा। इसके अतिरिक्त, Ola Electric Adventure में अज्ञात इलाकों से निपटने के लिए 19-इंच के फ्रंट व्हील और 17-इंच के रियर व्हील की सुविधा होगी।

Ola Electric EV मोटरबाइक लाइनअप में तीसरा रोडस्टर मॉडल है। यह मॉडल लाइनअप में सबसे विशिष्ट बाइक में से एक है, जिसमें एक डिकंस्ट्रक्टेड डिज़ाइन है जो इसे भारत में वर्तमान में उपलब्ध अन्य आईसीई नग्न स्ट्रीट फाइटर्स से अलग करता है। कंपनी के मुताबिक इस मॉडल को रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। रोडस्टर डुअल-डिस्क फ्रंट ब्रेक सेटअप और सिंगल-डिस्क रियर ब्रेक सेटअप से लैस है। इसमें मोबाइल फोन कनेक्टिविटी को शामिल करने की संभावना वाला 5 इंच का डिस्प्ले भी है। रोडस्टर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि यह 15 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित की गई एकमात्र बाइक थी।

अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि Ola Electric ने लाइव इवेंट के दौरान अपनी प्रमुख अवधारणा डायमंडहेड का अनावरण किया। यह मॉडल देश में सबसे अनोखी बाइक डिज़ाइनों में से एक प्रस्तुत करता है, जो इसकी सीधी और मजबूत रेखाओं के साथ-साथ बोल्ड डिज़ाइन विकल्पों की विशेषता है। यह मॉडल Tesla के आगामी Cybertruck की याद दिलाते हुए एक अत्यधिक भविष्यवादी उपस्थिति पेश करता है। डायमंडहेड को सुपर स्पोर्ट्स बाइकिंग सेगमेंट पर लक्षित किया गया है और यह एक शंक्वाकार फ्रंट, एक डिजिटल डैशबोर्ड और एक विशिष्ट डिजाइन भाषा को प्रदर्शित करता है जो सामूहिक रूप से एक अद्वितीय सवारी अनुभव में योगदान देता है। आगे के पहिये में दोहरी डिस्क है, जबकि पिछले पहिये में एक सिंगल डिस्क है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कंपनी ने इस समय किसी भी बाइक के लिए ड्राइवट्रेन जानकारी का खुलासा नहीं करने का फैसला किया है, यह दर्शाता है कि ये बाइक खरीद के लिए तुरंत उपलब्ध नहीं होंगी। हालाँकि, इसकी अत्यधिक संभावना है कि ये मॉडल लॉन्च होने के बाद देश में ईवी मोटरबाइक सेगमेंट में हलचल मचा देंगे।

नकली खेल सामग्री खरीदना बंद करें

भूपिंद्र सिंह

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है।

खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वह फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीदना होगा'

खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गयी आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी।

इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्म एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपये का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान को खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही, जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिन के पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं।

हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी तो वह फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपये की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों का भला करना होगा। तभी हम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेता प्रदर्शन करवा सकते हैं और पहाडियों की ताकत का लोहा मनवा सकते हैं।

संपादक की कलम से

चांद पर 'प्रथम' भारत

वाह! कितने खूबसूरत और ऐतिहासिक लम्हे हैं ये!! अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अनूठी, अप्रत्याशित और अविस्मरणीय उपलब्धि है कि भारत चांद पर पहुंच चुका है। अपने ही अनुसंधान और प्रयोगों के बल पर आज भारत चांद के उस हिस्से पर मौजूद है, जहां कोई भी देश पहुंच नहीं सका। 'चंद्रयान-3' बेहद सफल मिशन रहा है, क्योंकि उसके 'विक्रम लैंडर' ने चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सफल लैंडिंग की है और अब 'प्रज्ञान रोवर' भी बाहर आकर, चांद के आंगन में ही, घुमक्कड़ी कर रहा है। भारत और इसरो ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, क्योंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला प्रथम मिशन 'भारतीय' है। आज अमरीका, रूस, चीन और यूरोपीय देशों की आंखें फैल गई होंगी, क्योंकि भारत के ऐसे सामर्थ्य की कल्पना तक उन्होंने नहीं की थी। वे हमारी वैज्ञानिकता और मिशनों का उपहास उड़ाया करते थे। सिर्फ तीन दिन पहले ही रूस का 'लूना-25' मिशन दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में नाकाम रहा और वह विनष्ट हो गया। अंतरिक्ष और चांद को खंगालने में सोवियत संघ (रूस) के मिशन सर्वप्रथम और अतुलनीय रहे हैं, लेकिन आज वह भी भारत से पिछड़ गया। भारत और इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों ने वह उपलब्धि हासिल की है, जो अनन्य है। आज चांद तो क्या, आसमान भी हमारे लिए आंगन महसूस हो रहा है। वह असीम और अनंत नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही टिप्पणी की है कि अब चंदा मामा दूर के नहीं रहे, बल्कि वह टूर के हो गए हैं। यानी ऐसे दिन भी आने वाले हैं, जब लोगों के टूर चांद पर जाया करेंगे! इस चंद्रविजय के बाद कहानियों के तमाम पुराने मिथक और कथानक बदल जाएंगे। नए भारत की नई पीढ़ी नई कहावतें पढ़ेगी। हम चांद को सपनों, कल्पनाओं और रूपक-उपमाओं में ही जीते थे अथवा मां थाली में पानी डाल कर, उसमें चांद की परछाईं दिखा कर, हमें दुलारती थी कि चंदा मामा यहां हैं। वाकई मानवीय प्रयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और इंजीनियरिंग के कौशल ने साबित कर दिया है कि आज भारत चांद पर है। चांद की सतह पर हमारा 'अशोक चक्र' और इसरो का प्रतीक चिह्न छाप दिया गया है। ये भारत की ऐतिहासिक विजय के साक्ष्य हैं। बधाइयों और शुभकामनाओं के अंबार लगे हैं। अब नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने भारत के इसरो के साथ काम करने, मिशन भेजने की इच्छाएं व्यक्त की हैं, पेशकशदी हैं, यकीनन हम विचार करेंगे। शाबाश!! इसरो के वैज्ञानिको! कर्मचारियो!! आपने संकल्प जमीन पर लिया और चांद पर उसे साकार किया। प्रधानमंत्री ने भी चंद्रविजय पर ऐसे ही भाव व्यक्त किए हैं। वह 26 अगस्त को बेंगलुरु जाकर इसरो के दफ्तर में सभी विजेताओं से रूबरू होंगे। बहरहाल हमने टीवी पर लैंडर की लैंडिंग का सीधा प्रसारण देखा था। लैंडर ने 20 फीसदी, फिर आधा सफर, फिर 50 फीसदी और उसके बाद 80 फीसदी यात्रा सफलता से तय की, तो धडकनें तेज होने लगीं। लैंडर और चांद की सतह के बीच की दूरी सिमटने लगी, तो आंखें पनिया गईं। अचानक तालियां की गूंज सुनाई दी, 'जय हो' के उद्घोष गूंजने लगे, तो खुशी से उछल पड़े। देश की प्रतिक्रिया भी यही होगी, क्योंकि एक असंभव-सा लक्ष्य हासिल कर लिया गया था। यह ऐतिहासिक, वैज्ञानिक उपलब्धि यहीं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अंतरिक्ष के आयाम बदलेंगे। दुनिया को एक निश्चित रास्ता मिलेगा कि चांद कहां और कैसा है? वहां तक पहुंचना कैसे संभव है? दरअसल हमारा सुझाव है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की तरह 23 अगस्त को भी 'राष्ट्रीय दिवस एवं पर्व' घोषित किया जाए, क्योंकि यह मिशन भी भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। चांद पर हीलियम-3 ज्यादा मात्रा में उपलब्ध है। परमाणु कार्यक्रम के लिए यह अहम माना जाता है। यह ऊर्जा का स्वच्छ स्रोत भी है। चांद की चट्टानों पर सल्फर मिलने के संकेत हैं। मूल्यवान धातु प्लेटिनम, प्लाडियम, मैगनीशियम और सिलिकॉन भी प्रचुर मात्रा में बताई जा रही हैं। अब लैंडर और रोवर चांद की स्थितियों का अध्ययन करेंगे। वहां की भूकंपीय हलचलों और तापमान का भी अध्ययन किया जाएगा और वे तमाम सूचनाएं इसरो तक पहुंचाई जाएंगी। चांद पर पानी के अन्य स्रोत भी पता चलेंगे और अंततः वहां इनसानी जिंदगी की संभावनाओं के भी आयाम खुलेंगे। बहरहाल यह तो शुरुआत भर है। अभी तो इसरो को सूर्य और शुक्र पर भी जाना है।

राय

विश्व विजेता भारत

धरती से चांद के सपने मानव सभ्यता के संदर्भों को भरते रहे हैं, लेकिन विज्ञान के कदमों ने सारी दूरियां व कल्पनाएं मिटा दीं। चंदा मामा न तो दूर के रहे और न ही किसी और के रहे, बल्कि भारत के समीप आज एक ऐसा चांद है, जो विज्ञान की अभिलाषा, महत्त्वाकांक्षा और चेतना को सराबोर कर देता है। एक बड़े अभियान की परिकल्पना, छोटे-छोटे कदम और कुछ ठोकरें भी रहीं, लेकिन 23 अगस्त सायं 6 बजकर चार मिनट पर भारत के तिरंगे ने देश की सीमा और संभावना को विश्व बिरादरी की असीम आशाओं से भर दिया। चांद पर चौथे देश की उपस्थिति में भारत का सिक्का दक्षिण ध्रुव में अलग से अलंकृत है, क्योंकि यहां हमारे निशान केवल हमारे ही कारण हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की उपलब्धि ने देश की वैश्विक गणना और प्रमाणिकता को अंगीकार करते हुए हमें ऐसा तमगा पहनाया है, जो हमें इस वजह से विकसित देशों की पांत में आगे कर देता है। आज जहां हम हैं, वहां कोई यूरोपीय देश या जापान व कोरिया तक नहीं हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने जिस खूबसूरती, जिस स्पष्टता, जिस शुद्धता, जिस विश्वास और जिस कर्मठता से दक्षिण ध्रुव की दुरुहता पर कब्जा किया है, उसके कारण भारत के वैज्ञानिक आज पुनः विश्व विजेता की तरह अंगीकार हुए हैं। यूं तो भारतीय वैज्ञानिक इसरो के साथ-साथ नासा के तमाम अभियानों में भी अहम किरदार में रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज के साथ चंद्र पथ पर उनका मुकाम अब भविष्य की साइंस को आश्वस्त कर रहा है।

यहां विज्ञान की विजय में भारत का डंका बज रहा है, इसलिए इसे किसी सियासत का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं। हमने 1962 में जब इसरो की स्थापना की थी, तो देश की कंगाली में ऐसी प्राथमिकता चुन लेना तब एक वर्ग को पागलपन जैसा ही लगा था, लेकिन जब 1975 में पहला राकेट 'आर्यभट्ट' लांच किया, तो हम अपने इर्द-गिर्द से बाहर ब्रह्मांड को जीतने निकल चुके थे। हमें अंतरिक्ष प्रोग्राम किसी की खैरात से नहीं मिला, बल्कि चांद पर उतरा लैंडर विक्रम लोहा मनवा रहा है कि भारत ने अपने दम, हुनर और क्षमता से विज्ञान का सर्वश्रेष्ठ सृजित किया है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जगत मान चुका है कि हमारा चंद्रयान-3, रूस से दस गुना बेहतर तकनीक पर आधारित है और अमरीका से पंद्रह गुना सस्ता विश्वसनीय हस्तक्षेप है। निश्चित रूप से अब अंतरिक्ष विज्ञान के आगामी हर पथ पर भारत की भूमिका, एक विकासशील और वैज्ञानिक देश के रूप में होगी। भले ही हम पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आगे चल कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, लेकिन प्रति व्यक्ति आय में हम इसी तरह शक्तिमान हो जाएं तो आने वाली सदियां पूरी तरह हम ही लिखेंगे। बहरहाल चंद्रयान-3 की सफलता ने भारतीय विज्ञान की चेतना और महत्त्वकांक्षा को मीलों आगे पहुंचा दिया है और अगर युवाओं की क्षमता देश पहचान पाया, तो सारी करवटें विश्व की संभावनाओं को हमारे नजदीक ले आएंगी, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वर्तमान में हर साल दो से ढाई लाख पढ़े लिखे मेहनती, ईमानदार तथा बुद्धिमानी युवा बाहर पलायन कर रहे हैं। जिस राष्ट्रीय भावना का उद्घोष 1984 में चांद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने, 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा' कह कर किया था, आज पुनः राष्ट्रीय भावना का वैसा ही उफान चांद से मुलाकात कर रहा है। हिमाचल के लिए उसके दो बेटों रजत अवस्थी और डा. अनुज चौधरी का चंद्रयान-3 अभियान की टीम का सदस्य होना भी हमारे प्रदेश की एक शानदार उपलब्धि है।

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तसवीर...लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उमेश चतुर्वेदी

अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है। 23 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ खातों के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है।

इसे बिडंबना नहीं तो क्या कहेंगे कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का उपजाऊ मैदानों के बावजूद उत्तर प्रदेश की ख्याति बीमारू यानी रोगी राज्य के रूप में रही। उत्तर प्रदेश राजनीतिक रूप से बेहद सचेत लोगों का भी राज्य रहा है। माना जाता है कि जिस इलाके की जनता राजनीतिक रूप से ज्यादा सचेत होती है, वहां विकास की धारा बहती रहती है। माना तो यह भी जाता है कि प्रभावी राजनीति जिस इलाके का प्रतिनिधित्व करती है, उस इलाके में विकास की गति अपने आप तेज हो जाती है। उत्तर प्रदेश प्रभावी राजनीति का भी केंद्र रहा है। देश को उसने आठ प्रधानमंत्री दिए, जिनमें से छह की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश की माटी रही है, इसके बावजूद उत्तर प्रदेश अपनी अराजक संस्कृति और भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था के लिए ज्यादा जाना जाता रहा है। लेकिन अब इसी उत्तर प्रदेश की छवि बदलने लगी है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को दिया जा सकता है। जिसकी वजह से ना सिर्फ यहां के अराजक माहौल में बदलाव आने लगा है, बल्कि इस राज्य को अब उद्योग और कारोबार के लिए मुफीद माना जाने लगा है।

अस्सी के दशक में जब उत्तर प्रदेश के ही संसदीय नुमाइंदे राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब अर्थशास्त्री आशीष बोस ने बीमारू राज्य की परिकल्पना पेश की थी। बीमार यानी रूग्ण से प्रेरित यह बीमारू शब्द बुनियादी रूप से चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहा था। इन्हीं में से तीन राज्य अलग होकर अब सात राज्य हो गए हैं। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड के अपने मूल राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार से अलग होने के बावजूद जितनी तेज तरक्की की उम्मीद की जा रही थी, वैसी नजर नहीं आ रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश इनमें से अलग राह पर चलता दिख रहा है। निश्चित तौर पर इसके लिए योगी आदित्यनाथ की कड़क और कुशल शासन व्यवस्था को श्रेय दिया जा सकता है।

किसी भी राज्य में कारोबार और उद्योग कब पनपता है, जब वहां की कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है, वहां बुनियादी ढांचा मसलन सड़क, बिजली और पानी की सहूलियत होती है। इसके साथ ही मेडिकल यानी चिकित्सा सुविधा भी बेहतर होनी चाहिए। कुछ साल पहले तक उत्तर प्रदेश में बिजली छोड़ सारे संसाधन थे, लेकिन कानून-व्यवस्था बेहद लचर थी। अराजक व्यक्तियों और समूहों के इशारे पर ही जैसे राज्य की कानून-व्यवस्था चलती थी। राजनीति एक तरह से उनकी पिछलग्गू थी। बिजली राज्य की राजधानी लखनऊ और कुछ-एक वीआईपी माने जाने वाले शहरों में ही होती थी। बाकी समूचा राज्य बिजली की आंख-मिचौनी देखता था। सरकारी दफ्तरों में बाबुओं की मनमानी चलती थी। लेकिन साल 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कानून-व्यवस्था की हालत की तरफ ध्यान दिया। ऐसा नहीं कि योगी के प्रयासों से कानून-व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश स्वर्ग बन गया है। लेकिन यह भी सच है कि कानून का भय अब अराजक समूहों में आया है। सड़कें दुरुस्त हुईं हैं। हालांकि छोटे इलाकों और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बिजली की हालत भी ठीक हुई है। अब समूचे प्रदेश में बिजली है। इसका असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है।

अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है। 23 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ खातों के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है। बीते अप्रैल तक के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इक्विटी ट्रेंड की वजह से 1.26 लाख नए निवेश जुड़े हैं। दिलचस्प यह है कि यह आंकड़ा शेयर कारोबारियों की राजधानी मुंबई वाले महाराष्ट्र राज्य के मुकाबले ज्यादा हो चुका है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो बीते अप्रैल में महाराष्ट्र में जहां 1.18 लाख नए निवेशक ही जुड़े, वहीं उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा करीब 1.26 लाख रहा। राज्य के बदलते बुनियादी ढांचे और बेहतर होती कानून-व्यवस्था का ही असर कहा जाएगा कि बीती फरवरी में हुए निवेशक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को 36 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

कभी इलाहाबाद, आगरा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय समेत राज्य के तमाम विश्वविद्यालय अराजकता के पर्याय माने जाते थे। हालांकि इनका गौरवशाली अतीत रहा है। भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में इन विश्वविद्यालयों का सार्थक हस्तक्षेप रहा है। लेकिन राजनीतिक संस्कृति बदलने से बाद के दिनों में उत्तर प्रदेश शैक्षिक रूप से पिछड़ता जा रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का शैक्षिक परिदृश्य बदलने लगा है। स्कूली स्तर पर भी पढ़ाई की रेल पटरी पर आने लगी है। इसका असर इस साल की नीट की परीक्षाओं के नतीजे पर भी दिखा। इस बार इस परीक्षा में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के ही विद्यार्थी कामयाब हुए हैं, जिनकी संख्या करीब 1.39 लाख है, जबकि महाराष्ट्र के 1.31 लाख और राजस्थान के एक लाख से कुछ ही अधिक छात्र सफल रहे। योगी राज के छह सालों में राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में 60 लाख विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है।

उत्तर प्रदेश में पहले गिने-चुने मेडिकल कॉलेज ही थे। लेकिन योगी शासन में एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना की गई और वह अब साकार होती नजर आ रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, विशेषकर गोरखपुर के आसपास हर साल दिमागी बुखार से सैकड़ों बच्चों की ह्रदयद्रावक मौत होती थी। लेकिन योगी शासन में इस पर काबू पाने की कोशिशें तेज हुईं और अब स्थिति बेहद काबू में है। आज हालात यह है कि दिमागी बुखार पर 98 फीसदी तक काबू करके बहुमूल्य जीवन बचाने में सफलता हासिल की जा चुकी है।

उत्तर प्रदेश गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का मैदान है। ये नदियां राज्य की जीवन रेखा ही नहीं, खेती-किसानी का सांस्कृतिक जरिया भी हैं। जनसंख्या घनत्व ज्यादा और प्रति व्यक्ति जोत कम होने के बावजूद आज स्थिति यह है कि राज्य देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन 20 फीसद अकेले कर रहा है। इसकी बड़ी वजह है, राज्य में कृषि उपज के मूल्यों में डेढ़ गुना की बढ़ोतरी। 2017 में योगी सरकार के शासन में आने के बाद एमएसपी के तहत किसानों की कृषि लागत का डेढ़ गुना रकम दिया जा रहा है। राज्य की खेती-किसानी सदियों से मशहूर रही है। विशेषकर गन्ना की खेती के मामले में राज्य एक दौर में शीर्ष पर रहता था। हालांकि बाद के दिनों में हालात बदलते गए। लेकिन इस मामले में राज्य ने एक बार फिर बाजी मारी है। इसकी वजह है कि राज्य में गन्ना खरीद नीतियों में बदलाव लाया गया। जिसका फायदा किसानों को मिल रहा है। यही वजह है कि राज्य देश के कुल गन्ने का 44.50 प्रतिशत की पैदावार कर रहा है। इस मामले में भी महाराष्ट्र 25.45 प्रतिशत पैदावार के चलते दूसरे नंबर पर जा पहुंचा है।

बुनियादी ढांचा के मामले में भी पिछले छह सालों में राज्य ने काफी कुछ हासिल किया है। राज्य में पांच एक्सप्रेसवे बन चुके हैं। वहीं 13 एक्सप्रेसवे का निर्माण जारी है। साल 2017 में राज्य में सिर्फ दो लखनऊ और वाराणसी हवाई अड्डे ही संचालित हो रहे थे, लेकिन आज राज्य के नौ शहर हवाई मार्ग से जुड़ गए हैं। केंद्र सरकार की योजना के अनुसार मौजूदा वर्ष यानी साल 2023-24 के आखिर तक राज्य में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को चालू करने की तैयारी है। नोएडा का जेवर हवाई अड्डा भी तेजी से बनाया जा रहा है। हालांकि इसे एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इसी तरह अयोध्या धाम में भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। केंद्र सरकार की कोशिशों और योगी सरकार के सहयोग से देश का नंबर वन वाटरवे वाराणसी से पश्चिम बंगाल के हल्दिया के बीच में चालू हो चुका है।

चिंतन

नहीं कराना सम्मान!

चार दशक की साहित्य साधना के बाद मुझे होश आया कि सम्मान तो करवाया ही नहीं। मैंने भागा-दौड़ी की तो लोग कहने लगे कि अब तक कहां थे? हमने तो अपने खेमे के सबको निपटा दिया, किसी और किसी को पकड़ो! सूखा सा उत्तर पाकर मैं दूसरों के पास गया, दूसरों ने भी टरका दिया। फिर हारकर मैं भ्रमर जी के पास पहुंचा। साहित्य के घाघ हैं। सारी ऊंच-नीच का पता है उन्हें। मुझे देखते ही बोले- 'शर्मा धूप में बाल सफेद कर लिये। कागज काले करते रहे। लेखन के बूते पर सम्मान की आस लगाये बैठे रहे। पहले मिल लेते तो अब तक तो यह सम्मान की धारा भी पार कर लेते। खैर कोई बात नहीं, जागे वहीं सवेरा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। चलो तुम्हारा अमृत सम्मान करवा देंगे। बस थोड़ा सा पेंच है, वह तुम्हें ही भुगतना है।' भ्रमर जी की अंतिम बात मैं समझा नहीं, सो मैंने पूछा- 'क्या भुगतना है? इतना विपुल लिखने के बाद भी मुझे क्या करना पड़ेगा?' भ्रमर जी हंसने लगे, बोले- 'शर्मा, सम्मान-पुरस्कार जोड़-तोड़ के जुगाड़ हैं। तुम साहित्य साधना में लीन रहे, यही तुम्हारा माइनस पाइंट है। लिखने से कुछ नहीं होता। लिखने से किताब छप जायेगी, लेकिन सम्मान के लिए लोगों से लगाकर खाना पड़ता है। लिखने का नशा उतर जाये तो मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊं?' 'हां'.हां बताइये। मैं आप जो कहेंगे, वह करने को तैयार हूं। साहित्य का सम्मान लिखने से ही तो मिलता है।

ग्यारसी लाल जी और कजोड़मल जी जब सम्मान ले सकते हैं तो मैंने कोई घास थोड़े ही खोदी है।' मैंने कहा तो भ्रमर जी बोले- 'तुमने घास ही खोदी है शर्मा, जिनका तुम उदाहरण दे रहे हो, उन्होंने रोकड़ा खर्च करके सम्मान लिया है। अब पहले वाली बात नहीं है कि वर्क देखा और सम्मान दे दिया। आजकल तो सम्मान-पुरस्कार खुद के जुगाड़ हैं। तुम्हें लेना है तो अपना बजट बताओ, अपनी संस्था के बैनर तले तुम्हारा भी गंगा स्नान हो जायेगा। ग्यारसीलाल और कजोड़मल ने सम्मान के लिए तन-मन और धन तीनों लगा दिये थे। उनकी भक्ति भावना (चमचागिरी) को तुम क्या जानो भैया। भक्ति भावना व पैसे के बूते पर आज वे साहित्य शिरोमणि प्राप्त कर सके हैं। मूल्य बदल गये हैं, युग बदल गया है। अभी देखा नहीं, रामलाल जी जिस अकादमी के अध्यक्ष हैं, उसी से अपना सम्मान करवा लिया। उन्हें पता है, विलंब किया और सम्मान के लिए पापड़ बेलो कार्यक्रम शुरू हो जावेगा। इसलिए मेरी संस्था को धन देवो और सार्वजनिक मंच पर मालाएं पहनकर चहकते फिरो।' भ्रमर जी की बातों से मेरी आंखें खुली की खुली रह गईं, लेकिन समस्या धन की थी। सम्मान के लिए धन कहां से लाऊं।

गृहस्थी की गाड़ी ही जब इस महंगाई में नहीं चल पा रही तो यह महंगा सम्मान कैसे प्राप्त करूंगा। मैंने भ्रमर जी से कहा- 'मैं एक-दो दिन में आपसे मिलता हूं।' यह कहकर मैं सीधा किचन में पत्नी की शरण में पहुंचा। पत्नी बोली- 'क्यों क्या बात है, मुंह लटकाये क्यों खड़े हो?' मैं बोला- 'सम्मान तो बहुत महंगे हो गये। जरा सी लापरवाही से अब पैनल्टी अलग लगेगी। मेरा मतलब सम्मान के लिए धन चाहिए।' पत्नी बोली- 'क्या करोगे सम्मान का। इससे बढिया तो बच्चों की फीस चुकाओ। पोते-पोती क्या सोचते होंगे कि बाबा उनके लिए कुछ नहीं करते। सम्मान से कुछ नहीं होता। लिखते-पढ़ते हो, यह कोई कम सम्मान की बात है।' एक ही क्षण में पत्नी ने सम्मान की खुजली मिटा दी। मैं बोला- 'तुम सही कहती हो। ऐसे सम्मान का क्या करेंगे, जो पैसों से मिलते हैं। मैं तो अपनी नयी किताब तैयार करता हूं।' पत्नी ने कहा- 'मस्त रहो, काम करो। सम्मान तो अब गधों के होने लगे हैं। क्या तुम यही चाहते हो?' मैं चुपचाप रसोई से निकल आया और अपने कमरे में आकर चुपचाप लिखने में लीन हो गया।

पूरन सरमा

इनसाइड

रिलायंस रिटेल में हिस्सेदारी क्यों बेच रहे मुकेश अंबानी, जानिए IPO से पहले यह क्या चल रहा?

रिलायंस रिटेल के आईपीओ से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज इस कंपनी में 8–10 फीसदी हिस्सेदारी और बेच सकती है। कंपनी विस्तार कार्यक्रमों में पैसा लगा सके, कर्ज चुका सके और ग्रुप के रिटेल बिजनस के IPO की तैयारी कर सके, इसके लिए हिस्सेदारी बेचना जरूरी है।

नई दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (RRVL) में 8-10 फीसदी की और हिस्सेदारी बेच सकती है। जिससे कंपनी विस्तार कार्यक्रमों में पैसा लगा सके, कर्ज चुका सके और ग्रुप के रिटेल बिजनस के IPO की तैयारी कर सके। मामले से जुड़े 2 इंडस्ट्री लीडर्स ने यह जानकारी दी है। यह प्रोसेस 12 से 15 महीनों में पूरी हो सकती है। यह प्रोसेस रिलायंस रिटेल के प्रस्तावित आईपीओ के लिए महत्वपूर्ण होगी। इस प्रोसेस के बाद कंपनी का आईपीओ आने की संभावना है।

क्यों बेची जाएगी हिस्सेदारी

यह शेयर बिक्री महत्वपूर्ण है, क्योंकि 100 अरब डॉलर (8.25 लाख करोड़ रुपये) की मौजूदा वैल्यूएशन के चलते RRVL का आईपीओ साइज बहुत बड़ा होगा। बाजार में इतने बड़े ऑफर को एब्जॉर्ब करने के लिए लिक्विडिटी नहीं होगी। इसलिए कंपनी को लगता है कि 7-10 फीसदी हिस्सेदारी की और बिक्री आईपीओ साइज को मैनेजेबल बना देगी। ताकि आईपीओ की सफलता सुनिश्चित की जा सके।

कम से कम 25% हो पब्लिक होल्डिंग

भारत के लिस्टिंग नियमों के अनुसार किसी कंपनी की पब्लिक होल्डिंग, जिसमें वित्तीय निवेशकों की हिस्सेदारी भी शामिल है, कम से कम 25 फीसदी होनी चाहिए। इस समय रिलायंस रिटेल वैंचर्स लिमिटेड में करीब 11 फीसदी वैश्विक निवेशकों के पास है। इसमें कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी भी शामिल है, जिसने बुधवार को 0.99% हिस्सेदारी के लिए 8,278 करोड़ रुपये निवेश किये हैं। रिलांयस इंडस्ट्रीज की कंपनी में 89 फीसदी से कम हिस्सेदारी है। वहीं, कुछ शेयर छोटे निवेशकों के पास है।

आईपीओ की सफलता के लिए जरूरी कदम

मौजूदा वैल्यूएशन पर अगर रिलायंस रिटेल आईपीओ के लिए जाती है, तो उसे करीब 1.15 लाख करोड़ कीमत के 14 फीसदी शेयरों को डायल्यूट करना होगा। यह एक बहुत बड़े आकार का आईपीओ होगा, जिसके सफल होने की संभावना कम रह सकती है। इसलिए रिलायंस इंडस्ट्रीज को आईपीओ से पहले आरआरवीएल में और इक्विटी बेचनी होगी, चाहे वह मौजूदा या नए निवेशकों को यह बेचे।

अब आसान होगा ताज का दीदार, आगरा कैंट तक जाएगी होशियारपुर –दिल्ली एक्सप्रेस, चेक कर लें टाइमिंग

परिवहन विशेष

गाड़ी संख्या 14012/14011 होशियारपुर –दिल्ली एक्सप्रेस का विस्तार आगरा कैंट तक किया गया है। इस बदलाव के बाद यह ट्रेन दिल्ली जंक्शन के बजाए बरास्ता नई दिल्ली हो कर चलेगी। आगरा आने–जाने वालों के लिए अब सफर आसान हो गया है।

नई दिल्ली: अगर आप ताजमहल का दीदार करना चाहते हैं तो आपके लिए सफर और आसान हो जाएगा। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा में विस्तार किया है। अब गाड़ी संख्या 14012/14011 होशियारपुर –दिल्ली एक्सप्रेस का विस्तार आगरा कैंट तक किया गया है। रेलवे की ओर से इस बारे में प्रेस रिलीज जारी कर जानकारी दी गई है। जिसमें कहा गया है कि रेलगाड़ी संख्या 14012/14011 होशियारपुर –दिल्ली-होशियारपुर एक्सप्रेस को आगरा कैंट तक निम्नानुसार यात्रा विस्तार देने का फैसला लिया है । इस बदलाव के बाद यह ट्रेन दिल्ली जंक्शन के बजाए बरास्ता नई दिल्ली हो कर चलेगी

आगरा कैंट तक विस्तार

आगरा आने-जाने वालों के लिए अब सफर आसान हो गया है। नए बदलाव के साथ ट्रेन को होशियारपुर से दिनांक

26.08.2023 से और आगरा छावनी से दिनांक 27.08.2023 से चलाया जाएगा। होशियारपुर-आगरा कैंट एक्सप्रेस होशियारपुर से ट्रेन रात 10.25 बजे चलेगी और अगले दिन 10.50 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। इसी तरह से आगरा कैंट से यह ट्रेन शाम 7.10 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 09.20 बजे होशियारपुर पहुंचेगी। सफ़र के दौरान यह ट्रेन आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, कोसी कलां, नई दिल्ली, पानीपत जंक्शन, करनाल , अंबाला कैंट, चंडीगढ़ लुथियाना जंक्शन, फगवाड़ा, जालंधन शहर, जालंधर कैंट खुर्रपुर में रुकेगी। वहीं इस ट्रेन का विस्तार किए जाने की वजह से कई ट्रेनों के टाइमटेबल में बदलाव किया गया है। रेलवे की ओर से उन ट्रेनों की पूरी लिस्ट जारी कर दी गई है।

दो दोस्तों ने कर दिया कमाल, 2023 की पहली यूनिकॉर्न बनी Zepto, अब IPO की तैयारी

जेप्टो साल 2023 की पहली यूनिकॉर्न कंपनी बन गई है। कंपनी की वैल्यूएशन 1.4 अरब डॉलर हो गई है। जेप्टो की स्थापना साल 2021 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट आदित पालीचा और कैवल्य वोहरा ने की थी।

नई दिल्ली : ऑनलाइन ग्रॉसरी डिलीवरी स्टार्टअप जेप्टो (Zepto) ने सीरीज-ई फंडिंग में 200 मिलियन डॉलर (16,528,330,800 रुपये) जुटाए हैं। इससे कंपनी की वैल्यूएशन 1.4 अरब डॉलर हो गई। इसके साथ ही जेप्टो साल 2023 का पहला यूनिकॉर्न (Unicorn) बन गया है। इस फंडिंग का नेतृत्व अमेरिका बेस्ड निजी बाजार निवेश फर्म स्टेपस्टोन ग्रुप (StepStone Group) ने किया। यह स्टेपस्टोन ग्रुप का किसी भारतीय कंपनी में पहला प्रत्यक्ष निवेश है।

कई मौजूदा निवेशकों ने दोगुना किया निवेश

इसके अलावा, कैलिफोर्निया बेस्ड कंज्यूमर फोकस्ड वेंचर कैपिटल फर्म गुडवॉटर कैपिटल ने एक नए निवेशक रूप में फंडिंग राउंड को जॉइन किया। वहीं, मौजूदा निवेशकों जैसे नेक्सस वेंचर पार्टनर्स, ग्लेड ब्रुक कैपिटल, लकी ग्रूम और अन्य ने Zepto में अपने निवेश को दोगुना कर दिया।

आदित पालिचा और कैवल्य वोहरा ने की थी शुरुआत

जेप्टो की स्थापना साल 2021 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट आदित पालीचा और कैवल्य वोहरा ने की थी। ये अगले 2-3 साल में शेयर मार्केट में लिस्टिंग की भी योजना बना रहे हैं। जेप्टो देशभर में वितरण केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से 10 मिनट में 6,000 से अधिक किराना उत्पादों को डिलीवर करता है। इस मॉडल को क्विक कॉमर्स के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसे हाई कैश बर्न और टिकाऊ बिजनस मॉडल की कमी के लिए सवालों के घेरे में रखा गया है।

स्टार्टअप की जिद में छोड़ी स्टैनफोर्ड की पढ़ाई

आदित पालिचा साल 2001 में मुंबई में पैदा हुए थे। उन्होंने अपना बिजनस करियर सिर्फ 17 साल की उम्र में शुरू किया था। पालिचा ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की है। अपनी पढ़ाई के लिए वे यूएस स्टैनफोर्ड गए थे। लेकिन स्टार्टअप शुरू करने की जिद के चलते उन्होंने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और गोपूल नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया। इसके बाद उन्होंने एआई बेस्ड प्रोजेक्ट प्रिवासी की भी स्थापना की। अप्रैल 2021 में आदित और उनके दोस्त कैवल्य वोहरा ने ग्रॉसरी डिलीवरी के लिए वेब प्लेटफॉर्म जेप्टो की स्थापना की।

NBFC को लेकर आरबीआई गवर्नर का निर्देश, कहा-बैंकिंग मानकों को करें मजबूत

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को मानकों का पालन करने का निर्देश दिया है। गवर्नर ने इन कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सीईओ के साथ एक बैठक में इस निर्देश की बातचीत की। इस बैठक में कर्ज मुहैया कराने में एनबीएफसी की भूमिका को अहम बताया गया है। साथ ही, वित्तीय कंपनियों को नियमों का पालन करने, जोखिम प्रबंधन करने और आंतरिक ऑडिट करने को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा संसाधनों में विविधता लाने और सुरक्षा को मजबूत करने की चर्चा भी हुई।

नई दिल्ली: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को मानकों का पालन करने का निर्देश दिया है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को आवासीय वित्त कंपनियों समेत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को संचालन मानकों और अनुपालन व्यवस्था को सशक्त करने के लिए कहा। दास ने यहां चुनिंदा एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिए। इस बैठक में सार्वजनिक एनबीएफसी के अलावा आवासीय वित्त कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी शिरकत की।

इन सभी वित्तीय इकाइयों का समूचे एनबीएफसी कारोबार के करीब 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग सुविधा से वंचित क्षेत्रों में कर्ज मुहैया कराने में एनबीएफसी की भूमिका को अहम बताते हुए उन्हें किसी भी तरह की शिथिलता से बचने की हिदायत भी दी। बयान के मुताबिक, गवर्नर ने एनबीएफसी कंपनियों से अपने संचालन मानकों एवं आश्वासन व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर ध्यान देने को कहा। इनमें नियमों का अनुपालन, जोखिम प्रबंधन और आंतरिक ऑडिट जैसे पहलू शामिल हैं।

इस बैठक में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और आवासीय वित्त कंपनियों के लिए संसाधनों में विविधता लाने पर भी चर्चा की गई ताकि बैंकों से उधारी लेने पर उनकी निर्भरता को कम किया जा सके। इसके अलावा असुरक्षित खुदरा कर्ज खंड में उच्च वृद्धि से जुड़े जोखिम और सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा को उन्नत करने पर भी जोर दिया गया। इस बैठक में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव एवं स्वामीनाथन जे और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) के प्रबंध निदेशक एस के होता भी मौजूद थे।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट, 29 अगस्त को अगली सुनवाई

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। सेबी ने मामले की जांच की पूर्णता की घोषणा की है और 24 मामलों में से 22 की जांच पूरी हो गई है। सेबी अब विदेशी एजेंसियों की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि उन दो मामलों की जांच पूरी हो सके। 29 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई होगी।

नई दिल्ली: 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में के आने के बाद से अडानी समूह पर सवाल उठने लगे। सेबी ने भी इस मामले की जांच की और अब उसने सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल कर दी है। सेबी ने कहा है कि जांच पूरी हो गई है और उसकी रिपोर्ट कोर्ट को सौंप दी गई है। सेबी ने 24 मामले की जांच की है जिसमें से 22 की जांच पूरी हो चुकी है, जबकि दो की जांच रिपोर्ट अंतरिम है।

दरअसल इन दोनों मामलों की जांच को पूरी करने के लिए सेबी को विदेशी एजेंसियों के रिपोर्ट का इंतजार है। इन मामलों में सेबी ने अडानी समूह की 13 विदेशी इकाईओं की जांच कर रही है। सेबी ने इस जांच में अडानी समूह में निवेश करने वाले विदेशी निवेशकों से जानकारी मांगी है। इन रिपोर्ट के आने के बाद सेबी की ये दो अंतरिम जांच रिपोर्ट भी पूरी हो जाएगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को 14 अगस्त तक अडानी मामले की स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था। जिसके बाद बाजार नियामक ने कोर्ट से 15 दिन की मोहलत मांगी छी। अब सेबी की ओर से रिपोर्ट सौंप की गई है। इस मामले में अगली सुनवाई 29 अगस्त को होने वाली है।

लड़ते-झगड़ते जीत ही गए एलन मस्क टेस्ला के लिए नियम बदल रही सरकार!

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने कारों के आयात पर इम्पोर्ट टैक्स कम करने की मांग की थी। लेकिन तब सरकार ने इसे खारिज कर दिया था। हाल में मस्क ने अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद टेस्ला की भारत में एंट्री की सुगबुगाहट तेज हो गई है।

नई दिल्ली: सरकार एक नई इलेक्ट्रिक वीकल पॉलिसी पर काम कर रही है। इसके तहत ऐसी ऑटो कंपनियों को इम्पोर्ट टैक्स में छूट दी जा सकती है जो देश में कुछ मैन्यूफैक्चरिंग करेगी। एलन मस्क (Elon Musk) की कंपनी टेस्ला (Tesla) ने भारतीय बाजार में एंट्री करने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी ने भारत में इम्पोर्ट टैक्स कम करने की मांग की थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार पूरी तरह विदेश में बनी कारों के आयात पर इम्पोर्ट ड्यूटी 100 परसेंट से घटाकर 15 परसेंट कर सकती है। 40,000 डॉलर से ज्यादा कीमत वाली कारों के आयात पर 100 परसेंट इम्पोर्ट टैक्स लगता है जबकि बाकी कारों पर यह 70 परसेंट है। टेस्ला की बेस्ट सेलिंग कार मॉडल वाई है जिसकी अमेरिका में कीमत 47,740 डॉलर है।

एक अधिकारी ने कहा कि टेस्ला के प्रपोजल पर एक अंडरस्टेंडिंग है और सरकार इसमें दिलचस्पी दिखा रही है। अगर सरकार इस तरह की पॉलिसी अपनाती है तो इससे देश में विदेशों से इम्पोर्ट की गई ईवी कारों की कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। इससे दूसरी विदेशी ऑटो कंपनियां के लिए भी भारत के दरवाजे खुल सकते हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार मार्केट है लेकिन देश में ईवी कारों की सेल दो परसेंट से भी कम है। हालांकि इसमें तेजी से इजाफा हो रहा है। एक सूत्र ने कहा कि इम्पोर्ट टैक्स में कमी से टेस्ला भारत में अपने सारे मॉडल बेच सकती है। कॉमर्स और फाइनेंस मिनिस्ट्री ने इस पर टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने कहा कि यह पॉलिसी अभी चर्चा के शुरुआती दौर में है और फाइनल टैक्स रेट में बदलाव हो सकता है।

टेस्ला का प्रपोजल

टेस्ला ने 2021 में भारत में एंट्री करने की कोशिश की थी लेकिन कंपनी ने ईवी पर इम्पोर्ट टैक्स कम करने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पहले कंपनी को देश में मैन्यूफैक्चरिंग का वादा करना होगा, उसके बाद इस पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत टूट गई थी और टेस्ला ने भारत आने का विचार छोड़ दिया था। जून में मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका में मुलाकात की थी। इसके बाद से ही टेस्ला की भारत में एंट्री की सुगबुगाहट तेज हुई है।

एक सूत्र ने कहा कि टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों से कहा है कि 2030 तक भारत में उसकी फैक्ट्री पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर सकती है। हालांकि इम्पोर्ट टैक्स में छूट से टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों पर असर पड़ सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार टेस्ला को भारत लाने की इच्छुक है लेकिन इस पर जल्दबाजी में कुछ नहीं किया जाएगा। दूसरे कई देशों ने भी ईवी मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया ने कारों पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50 परसेंट से जीरो करने की पेशकश की है। माना जा रहा है कि चीन की कंपनियों और टेस्ला को आकर्षित करने के लिए यह ऑफर दिया जा रहा है।

'युवाओं के लिए पैदा हुईं अधिक नौकरियां', ESIC ने जून में 20 लाख से ज्यादा नए सदस्य जोड़े

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने जून में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत 20 .27 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है। जून में जोड़े गए 20 .27 लाख कर्मचारियों में से 9 .77 लाख 25 साल के आयु वर्ग के हैं। यह कुल संख्या का 48 .22 प्रतिशत बैठता है। इसी अवधि में 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी ईएसआईसी से जुड़े हैं।

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने जून में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत 20.27 लाख नए सदस्य जोड़े हैं।

कितने नए प्रतिष्ठानों का हुआ पंजीकरण?

जून में लगभग 24,298 नए प्रतिष्ठानों का पंजीकरण हुआ और उन्हें ईएसआईसी के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया। श्रम मंत्रालय के एक बयान में गुरुवार को कहा गया कि ईएसआईसी के पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जून 2023 में 20.27 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं।

आंकड़ों के अनुसार, युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का पैदा हुई हैं। जून में जोड़े गए 20.27 लाख कर्मचारियों में से 9.77 लाख 25 साल के आयु वर्ग के हैं। यह कुल संख्या का 48.22 प्रतिशत बैठता है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

पेरोल डेटा के लिंग-वार विश्लेषण से पता चला कि जून में ईएसआईसी के साथ 3.87 लाख नई महिला सदस्य जुड़ी हैं। वहीं, इसी अवधि में 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी ईएसआईसी से जुड़े हैं।

वार्ता का पहले आग्रह करके अब मुकर रहा चीन, PM मोदी से शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद ड्रैगन के बदले बोल

BRICS Summit 2023 मोदी –चिनफिंग मुलाकात के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने जो बयान जारी किया उसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर इसका आयोजन किया गया था। जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मुलाकात का आग्रह पहले चीनी पक्ष ने किया था जो लंबित था और यह मुलाकात उसी का नतीजा है।

नई दिल्ली। जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात हुई और दोनों नेताओं के बीच मौजूदा सीमा विवाद का शीघ्रता से समाधान करने पर सहमति भी बनी। लेकिन अब यह कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया है कि इस मुलाकात की पहल किसकी तरफ से हुई थी।

चीन और भारत के अलग-अलग दावे

दरअसल, मोदी-चिनफिंग मुलाकात के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने जो बयान जारी किया उसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर इसका आयोजन किया गया था। जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मुलाकात का आग्रह पहले चीनी पक्ष ने किया था जो लंबित था और यह मुलाकात उसी का नतीजा है।

मोदी-चिनफिंग की मुलाकात

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने यह भी कहा, 'मोदी और चिफिंग के बीच यह मुलाकात अनौपचारिक तौर पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ही लाउंज में हुई।' वैसे दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के स्तर पर उपजे इस विवाद का सीमा पर तनाव समाप्त करने की कोशिशों पर किसी तरह का असर पड़ने की संभावना नहीं है।

सीमा विवाद के समाधान को लेकर बातचीत

दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच पिछले छह दिनों से सीमा विवाद के बचे हुए विवादों के समाधान को लेकर जो बातचीत चल रही थी वो गुरुवार को समाप्त हुई है। माना जा रहा है कि मई, 2020 में चीनी सैनिकों के भारत के पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में घुसने से जो विवाद शुरू हुआ था, उसको समाप्त करने को लेकर एक सहमति बनी है। इसकी घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है।

दोनों नेताओं के बीच हुई गहरी बातचीत

चीन के विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है, '23 अगस्त, 2023 को ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की। यह मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर हुई। दोनों नेताओं के बीच काफी स्पष्ट तरीके से और गहरी बातचीत हुई।

क्या कहा राष्ट्रपति चिनफिंग ने?

राष्ट्रपति चिनफिंग ने कहा कि भारत व चीन के रिश्ते न सिर्फ दोनों देशों की जनता के हितों के मुताबिक होने चाहिए, बल्कि विश्व व क्षेत्र की शांति, स्थिरता व विकास के लिए भी जरूरी हैं।' इसके बाद चीन के बयान में उसका पुराना रुख भी साफ होता है कि दोनों देशों को अपने सीमा विवाद का सही तरीके से समाधान करना चाहिए ताकि सीमा पर शांति व अमन बहाली हो सके। इस बारे में चीन कभी साफ-साफ बात नहीं करता।

पासपोर्ट कार्यालय अमृतसर शनिवार को काम के लिए खुलेगा

साहिल बेरी

अमृतसर। पासपोर्ट की उच्च मांग को देखते हुए, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (आरपीओ) श्री। एन.के. शील पासपोर्ट कार्यालय, अमृतसर ने भारी भीड़ के कारण पासपोर्ट की अधिक मांग के कारण आवेदन जमा करने के लिए नियुक्ति चक्र में लंबी प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए शनिवार 26 अगस्त, 2023 को एक और बैक टू बैक विशेष मेगा पासपोर्ट मेला आयोजित करने का निर्णय लिया है। महामारी के बाद विदेश यात्रा के लिए। आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए पासपोर्ट इंडिया की वेबसाइट www.passportindia.gov.in या mPassportSeva ऐप पर लॉग इन करना होगा, भारतीय स्टेट बैंक के डेबिट/क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पासपोर्ट शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा (जैसा कि ऊपर बताया गया है) वेबसाइट)," उन्होंने सूचित किया। पासपोर्ट मेला 26.08.2023 को रात 9:00 से 5:00 बजे के बीच पीएसके अमृतसर और पीओपीएसके फिरोजपुर में आयोजित किया जाना है, ताकि आवश्यक दस्तावेजों की जांच, सत्यापन और स्थानीय आवेदकों के आवेदनों को 'सामान्य' या 'पुनः जारी' के तहत संसाधित किया जा सके। वर्ग₹। पासपोर्ट मेले के लिए नियुक्तियां उपलब्धता के अनुसार पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सिस्टम द्वारा आवंटित की जाएंगी। केवल उस दिन के अपॉइंटमेंट वाले आवेदकों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। ऐसे सभी आवेदकों की सहायता के लिए और पासपोर्ट संबंधी सेवाओं पर उनके प्रश्नों को पूरा करने के लिए एक समर्पित काउंटर/हेल्प डेस्क भी खोला जाएगा, जिससे आवेदकों को उनकी सेवाएं आसान, आरामदायक, सुविधाजनक और त्वरित तरीके से प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जो आवेदक उस दिन के लिए अपॉइंटमेंट बुक करेंगे, उन्हें आवेदन प्रसंस्करण, बायोमेट्रिक्स (फिंगर प्रिंट आदि) के लिए व्यक्तिगत रूप से पासपोर्ट कार्यालय का दौरा करना होगा, निर्धारित समय और नियुक्ति के दिन तस्वीरें खींचनी होंगी, आवेदकों को एआरएन (नियुक्ति संदर्भ संख्या) के साथ जाना होगा।) और मूल दस्तावेजों (उनकी फोटोकॉपी) को अपने पासपोर्ट आवेदन संसाधित करने के लिए निर्दिष्ट पासपोर्ट शिविर में जाना होगा। पासपोर्ट अधिकारी ने जोर दिया. नए आरपीओ द्वारा इस तरह की नागरिक केंद्रित पहल को सभी मंडलों द्वारा अच्छी तरह से लिया गया है और यह एक बड़ी राहत साबित होती है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि पासपोर्ट सेवाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए पासपोर्ट इंडिया की वेबसाइट www.passportindia.gov.in पर पहुंचा जा सकता है या राष्ट्रीय कॉल सेंटर टोल फ्री नंबर (1800-258-1800) पर कॉल किया जा सकता है। पासपोर्ट सेवाओं से संबंधित फर्जी वेबसाइटों पर अलर्ट मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कई फर्जी वेबसाइटें और मोबाइल एप्लिकेशन आवेदकों से डेटा एकत्र कर रहे हैं और पासपोर्ट और संबंधित सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने और नियुक्ति निर्धारित करने के लिए अतिरिक्त भारी शुल्क भी लगा रहे हैं। . इनमें से कुछ फर्जी वेबसाइट डोमेन नाम .org, .in, .com पर पंजीकृत हैं जैसे

www.indiapassport.org, www.online-passportindia.com, www.passportindiaportal.in, www.passport-india.in, www .passport-seva.in, www.applypassport.org और कई अन्य समान दिखने वाली वेबसाइटें। इसलिए भारतीय पासपोर्ट और संबंधित सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले सभी नागरिकों को यह सलाह दी जाती है कि उन्हें उपरोक्त धोखाधड़ी वाली वेबसाइटों पर नहीं जाना चाहिए या पासपोर्ट सेवाओं से संबंधित भुगतान नहीं करना चाहिए। पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन करने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in है।

वैकल्पिक रूप से, आवेदक आधिकारिक मोबाइल ऐप mPassportSeva का भी उपयोग कर सकते हैं जिसे एंड्रॉइड और iOS एप्लिकेशन स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। यह पुनः दोहराना है कि इस कार्यालय ने किसी भी एजेंट को अधिकृत नहीं किया है। इसलिए, आरपीओ ने आवेदकों को किसी भी दलाल या एजेंट आदि से निपटने की सलाह नहीं दी है और अन्य 03 पार्टियों या बिचौलियों से बचने की चेतावनी दी है।

ऐतिहासिक नीलामी, सन 1944 की 26 जनवरी का दिन

रंगून के म्युनिसिपल बिल्डिंग के प्रांगण में नेताजी के सम्मान में एक विशेष जनसभा का आयोजन किया गया था। बर्मा में इस प्रकार की सभा का यह प्रथम आयोजन था। नेताजी के नाम का ऐसा जादू था कि जनसाधारण के अलावा गणमान्य लोग भी सम्मिलित थे उस जनसमुद्र में।

सभा के आरंभ में बर्मा के निवासियों की तरफ से नेताजी को एक माला पहनायी गई। तत्पश्चात नेताजी लगभग दो घंटे तक बोले। श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो कर सुन रहे थे--समय कैसे बीत गया किसी को पता नहीं चला।

भाषण के अंत में नेताजी अपनें हाथ से माला को उठा कर आह्वान करते हुए बोले, ₹यह माला समस्त बर्मा वासियों की शुभकामनाओं का प्रतीक है और इसलिए यह अमूल्य है। समय व्यतीत होने के साथ-साथ यह सूख कर मूल्यहीन हो जायेगी। इसीलिए इस मुहूर्त में इसका यथार्थ मूल्य निर्धारित करने के लिए मैं इसे नीलाम करना चाहता हूँ। जो भी धन इससे प्राप्त होगा उससे रंगून में आज़ाद हिंद संग्रहालय खोला जाएगा।

जैसे ही नेताजी की बात ख़त्म हुयी एक सिख युवक हरगोविन्द सिंह चिल्ला कर बोल उठे, ₹नेताजी, वह माला मैं ख़रीदूंगा--एक लाख डॉलर मूल्य दूंगा।

तभी स्थानीय विख्यात व्यवसायी बृजलाल बोल पड़े, ₹मुझे चाहिए यह माला, दो लाख डॉलर मूल्य दूंगा।₹ एक और ने बोली लगाई, ₹ढाई लाख डॉलर।₹ बृजलाल बोले, ₹तीन लाख।₹ हरगोविन्द ने हार नहीं मानी, बोले, ₹चार लाख डॉलर।₹ सभा में बैठी जनता हरगोविन्द का समर्थन करने लगी। बृजलाल के व्यवसायी अहंकार को पराजय स्वीकार नहीं था। उन्होंने बोली लगाई ₹पाँच लाख दस हजार।

हरगोविन्द समझ गये कि उनकी आशा पूरी नहीं हो पायेगी, वह चुप हो गये। बोलियाँ चलती रही दो धन कुबेरों के बीच और अंततः कीमत सात लाख डॉलर तक पहुँच गयी।

बृजलाल आगे बढ़. चले अपनी सात लाख डॉलर मूल्य की सम्पत्ति को प्राप्त करने। नेताजी भी आगे बढ़.रहे थे।

तभी हरगोविन्द ने मानो एक अंतिम प्रयत्न करने के लिए चीत्कार की, ₹नेताजी!!!₹ पास खड़ा एक व्यक्ति बोला, ₹अब नेताजी को पुकार कर क्या होगा? क्षमता है तो कीमत बढ़ाओ।₹ हरगोविन्द बोले, ₹मुझे जो कुछ कहना है नेताजी से कहूंगा।

नेताजी बोले, ₹बताओ क्या कहना चाहते हो।

हरगोविन्द की आँखों से अश्रुधारा बह रही थी। मानों भीख मांग रहा हो इस तरह से वह सिख युवक बोला, ₹नेताजी, सिंगापुर में मेरे कुछ घर हैं, गैरेज में आठ ट्रक हैं, तीन चार लाख डॉलर जमा पूंजी है। सब मिलाकर सात लाख डॉलर से अधिक हो पायेगा या नहीं कह नहीं सकता। फिर भी इस नीलामी में यह मेरी आखरी बोली है। मेरे पास जहाँ भी, जो कुछ भी है, मैं आज़ाद हिंद फौज के नाम लिख देता हूँ। बदले में मुझे वह माला चाहिए।

हरगोविन्द की आँखों से आँसूओं की वर्षा हो रही थी, शरीर काँप रहा था। नेताजी मंच से नीचे उतर कर आये और हरगोविन्द को ह्रदय से लगा लिया। जब वे हरगोविन्द को माला पहनाने लगे तो हरगोविन्द बोले, ₹आपके गले की माला मैं कैसे पहन सकता हूँ? इसे मेरे सिर पर रखिये।₹

बृजलाल अपना हक नहीं छोड़ना चाह रहे थे।

नेताजी ने उन्हें शांत किया और बोले, ₹यह युवक तो नंगा फ़कीर बन चुका है, अब इससे क्या लड़ोगे तुम?

अब हरगोविन्द ने एक और अर्जी पेश कर दी।

₹नेताजी, एक और भीख चाहिए।₹

₹बोलो हरगोविन्द। ₹ नेताजी ने आश्वस्त किया।

हरगोविन्द बोले, ₹अब मेरे पास रहने का कोई ठिकाना नहीं रहा है। ज़िन्दा रहने के लिए दो रोटियों की भी ज़रुरत होगी। अब आप ही मुझे आश्रय दीजिये। अपने आज़ाद हिंद फौज में भर्ती कर लीजिये।₹

अभिभूत हो कर नेताजी ने सीने से लगा लिया उस सर्वत्यागी युवक को।

मतवाले झूले थे फांसी पर लाखो ने गोली खाई थी, !

क्यूँ झूठ बोलते हो साहब कि चरखे से आजादी पाई थी?

साभार....
आचार्य डा युवराज तेज
नेताजी सुभाष बोस (आईएनए) ट्रस्ट, नई दिल्ली

भारत का नाम विश्व में अलंकृत करने वाले "इसरो" के "चंद्रायन-3" तथा भविष्य के प्रकल्पो के बारे में जानकारियां

परिवहन विशेष न्यूज

चंद्रयान-3 बुधवार 23 अगस्त 2023 की शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चांद के साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग कर गया और इसी लैंडिंग के साथ इतिहास रच गया. इसरो की योजना के मुताबिक़ विक्रम लैंडर और उसके 4 घंटे बाद रोवर प्रज्ञान लैंडर विक्रम से निकल चांद पर घूम घूम के आवश्यक परीक्षा कर रहा है और केमरे से फोटो खींच लैंडर, प्रोपलसर, ऑर्बिटर द्वारा इसरो को भेज रहा है, सोलर बैट्री से चलने के कारण 14 दिन तक प्रज्ञान और लैंडर तस्वीर भेजेंगे क्योंकि चांद का 1 दिन पृथ्वी के 14 दिन के बराबर है इसलिए चांद पर पृथ्वी के हिसाब से 14 दिन सूर्य और 14 दिन रात होगी,

चंद्रयान-3 की चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग बड़ी अहम मानी जा रही है क्योंकि भारत दुनिया का पहला देश है जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में किसी स्पेस की लैंडिंग कर दिखाई है। यह इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि चांद के इस क्षेत्र और इसके आसपास स्थायी रूप से छाया और पानी होने की संभावना सबसे ज्यादा है.

इस मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि

चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं?

यह चंद्रमा की मिट्टी का अध्ययन भी करेगा.

योजना के मुताबिक, यह मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा. चंद्रमा पर, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत पहला चौथा देश है जो चांद की तरह चमका है। चंद्रयान-1 से भी यह पता लगाया था कि चांद पर पानी है और साउथ पोल पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है कुछ दिनों में भारत जापान के साथ चांद पर एक नया मिशन लेकर जाएगा और अमेरिका के साथ मिलकर एक ऐसा सैटेलाइट बना रहा है जो की आकाशगंगा की बेहतरीन रहस्मयी बातों का पता लगाएगा. जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने बताया कि और फिर इसरो के चेयरमैन सोमनाथ ने पुष्टि की कि भारत मंगलयान, चांद पर एस्ट्रोनॉट ले जाने के अभियान तथा सूर्य की सतह के बारे में जानने के लिए अपना मिशन भविष्य में भेजेगा।

यह उपलब्धि भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनियों के लिए अगले दशक के भीतर वैश्विक लॉन्च बाजार में अपनी हिस्सेदारी पांच गुना बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा क्योंकि इसरो ने अब अब अपने आप को प्राइवेट सेक्टर के लिए ₹इंडियन स्पेस एसोसिएशन₹ बना के खोल दिया है, जिसमे 40 स्टार्टअप और 500 प्राइवेट कंपनी है जो कि अमेरिका के जेफ बेजोस, एलन मास्क के ब्लू ओरिजिन, स्पेस एक्स, वर्जिन गैलेक्टिक की तरह लोगो को अंतरिक्ष की यात्रा कराएगी। भारत भी भविष्य में अमेरिका, रूस जैसे अपना अंतरिक्ष स्टेशन बना सकता है, अभी तक 656 लोग अंतरिक्ष की ऊंचाई तक पहुंच गए है, डेनिस टीटो ने 20 मिलियन डॉलर देके 2001 में पहली यात्रा टूरिस्ट बनकर रशिया की सोयूज एयरक्राफ्ट से अंतराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर की पर 2011 में ये एयरक्राफ्ट बंद हो गई। अमेरिका ने फिर 2021 में प्राइवेट स्पेस एक्स के एक्सियम मिशन से 21, 22 और 23 मई में 5 अंतरिक्ष यात्री एक साथ भेजे थे, भारत भी यह सब शुरू करना चाहता है, इसरो में 45000 कर्मी है उसका बजट 7 बिलियन डालर है जो की प्राइवेट प्लेयर आने से 50 बिलियन डॉलर 2024 तक हो जायेगा। प्राइवेट लोग अपना लॉन्चिंग भीकल पैड और स्पेस क्राफ्ट बना कर स्पेस टूरिज्म और उसको जानने के इच्छुक है। इसरो ने लगभग 100 देसी तथा 33 देशों के 300 से ज्यादा सेटालाइट्स को स्पेस में भेज काफी धन और नाम कमाया है। चंद्रयान-3 मिशन को पूरा करने में क़रीब 615 करोड़ रूपए की लागत आई है जो की नासा और रूस से बहुत कम है।

चंद्रयान-3 में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं. लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरने के बाद 14 दिन तक वहां प्रयोग करेंगे. प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडियंश का अध्ययन करेगा और पिक्चर्स भी भेजेगा जैसे कि चंद्रयान 2 का ऑर्बिटर गत चार वर्षो से कर रहा है, जबकि उसका लैंडर और रोवर 2019 में उतरने से पहले गत दिनों रसिया के लूना के जैसे चांद से टकरा चूर हो गया। ₹ISRO₹ 1962 से 2023- साइकिल पर रॉकेट ले जाने से लेकर चंद्रयान-3 तक, ऐसा हमारा अंतरिक्ष फतह का सफर रहा है।

प्रथम प्रधानमँत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की दूरदर्शिता में साल 1962 में भारत ने अंतरिक्ष का सफर करने का फैसला किया और देश के पहले भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति ₹INCOSPAR₹ की स्थापना की.

बाद में डॉ. विक्रम साराभाई ने उन्नत टेक्नोलॉजी के विकास के लिये 5 अगस्त 1969 को इसका नाम बदलकर 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) कर दिया था1 सदी के 23वें वर्ष में 23 अगस्त को जैन धर्म के 23वे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर यह चंद्रायन उतरा है। इसरो के संस्थापक आदरणीय विक्रम साराभाई एक जैन है, जिनका परिवार अहमदाबाद में रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंद्रयान 2 के समय इसरो मुख्यालय में मौजूद थे और इसरो के चीफ सीवन को गले लगाकर ढांढस दिलाया था ओर अब चंद्रयान 3 के समय साउथ अफ्रीका से इसरो के सभी वैज्ञानिकों को संबोधित कर बधाई दी।

अपने बच्चों को यह जरूर पढ़ायें। बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी नहीं है कि महंगे स्कूलों में ही पढ़ाया जाये

चंद्रयान, चरौदा और भरत कुमार

बुधवार शाम 6.04 बजे चंद्रयान 3 का लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) वाला एलएम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरा। चाँद में इस जगह उतरनेवाला भारत पहला देश हुआ। यह भारतीय प्रतिभा का एक अनुपम उदाहरण है जो ISRO के माध्यम से साकार हो रहा है।

अब जरा धरती के एक कस्बे चरौदा (छत्तीसगढ़) पहुंचते हैं। यहां एक लड़का था के. भरत कुमार। भरत के पिता बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं और बच्चों को बेहतर शिक्षा देना चाहते थे। इसके लिए आर्थिक समस्या आड़े आती थी सो भरत की माँ ने चरौदा में एक टपरी पर इडली चाय बेचने का काम शुरू किया। चरौदा में रेलवे का कोयला उतरता चढ़ता है। कोयले की इसी काली गर्द के बीच भरत मां के साथ यहां चाय देकर, प्लेट्स धोकर परिवार की जीविका और अपनी पढ़ाई के लिए मेहनत कर रहा था।

भरत की स्कूली पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय चरौदा में होने लगी। जब भरत नौवीं में था, फीस की दिक्कत से टीसी कटवाने की नौबत आ गयी थी पर स्कूल ने फीस माफ की और शिक्षकों ने कॉपी किताब का खर्च उठाया। भरत ने 12 वीं मेरिट के साथ पास की और उसका IIT धनबाद के लिए चयन हुआ। फिर आर्थिक समस्या आड़े आई तो रायपुर के उद्यमी अरुण बाग और जिंदल ग्रुप ने भरत का सहयोग किया। यहाँ भी भरत ने अपनी प्रखर मेधा का परिचय दिया और 98% के साथ IIT धनबाद में गोल्ड मेडल हासिल किया।

जब भरत इंजीनियरिंग के 7 वें सेमेस्टर में था तब ISRO ने वहां अकेले भरत का प्लेसमेंट में चयन किया और आज भरत इस चंद्रयान 3 मिशन का हिस्सा है।

आज मात्र 23 साल का हमारा यह युवा चंद्रयान 3 की टीम के सदस्य के रूप में 'गुदड़ी के लाल' कहावत को सही साबित कर रहा है।

भरत को बहुत बधाई और शुभकामनाएं और ISRO को सलाम !

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023